

# मसीह की उल्हियत

الكتاب المقدس يصرخ  
المسيح هو الله

मुसन्निफ़ : जय चनन खान

The Deity of Christ By J.

Chanan Khan

1943 ई.

## फ़ेहरिस्त मज़ामीन

<b>दीबाचा</b> .....	3
अस्ल यूनानी ज़बान से नक़ल शूदा इंजीलों के नाम .....	3
मुसन्निफ़ की राय .....	4
<b>बाब अठ्ठल</b> .....	6
कलाम मुजस्सम हुआ। (यूहन्ना 1:14 इन्जील) .....	6
अस्ल कुर्बानी सय्यदना मसीह हैं .....	6
एक बड़ा भेद .....	7
<b>बाब दोएम</b> .....	9
अम्बिया और सय्यदना मसीह का मुकाबला .....	9
सिर्फ़ खुदा इन्सान के दिल को जानता है .....	10
<b>बाब सोइम</b> .....	14
फ़रिश्तों और लोगों की परस्तिश .....	14
जिसके सामने हर एक घुटना टेका जाएगा .....	14
शागिर्दों ने सय्यदना मसीह से दुआ मांगी .....	15
तीन मजूसियों का खुदावंद येसू मसीह को सज्दा .....	18
शागिर्दों का खुदावंद येसू को सज्दा .....	18
तोमा की गवाही .....	18
तोमा की आँखें इस बड़े भेद को ना पहचान सकीं। .....	19
<b>बाब चहारुम</b> .....	21
दीगर पेशीन गोईयाँ और मसीह की उलूहियत .....	21
यूहन्ना नबी के हक़ में पूरी हुई .....	21
मसीह सभों के ऊपर खुदा है .....	22
मसीह चौपान या चरवाहे की हैसियत में खुदा .....	23
सय्यदना मसीह बादशाहों का बादशाह और खुदावंदों का खुदावंद .....	24
<b>बाब पंजुम</b> .....	26
सय्यदना मसीह की शान और जलाल .....	26
जिब्राईल फ़रिश्ते की गवाही .....	27
सय्यदना मसीह के सिवा किसी दूसरे से नजात (मुक्ती) नहीं। .....	27
पतरस की गवाही .....	28
कादिर-ए-मुतलक .....	30

आने वाला येसू मसीह जिसे उन्होंने छेदा कादिर-ए-मुतलक है.....	32
मसीह (कलाम) अबदी खुदा और खालिक.....	33
येसू मसीह का नाम "बेटा".....	34
इम्मानुएल.....	36
ईमान से नजात और पाक तरीन हालत.....	38
कलाम-ए-खुदा यानी कलिमतुल्लाह (كلمته الله).....	39
हाज़िर व नाज़िर.....	43
अदालत करने वाला यानी मुंसिफ.....	45
गुनाह माफ़ करने वाला खुदावंद यहोवा.....	49
<b>बाब शश्म</b> .....	50
वाहिदनियत.....	50
मसीह का लहू खुदा का लहू कहलाता है.....	55
<b>बाब हफ़्तुम</b> .....	55
खुदा के साथ मसीह रूह-उल-कुद्स भेजने में बराबर.....	55
मसीह रूह-उल-कुद्स को भेजने वाला.....	56
खुदा के साथ येसू मसीह इज़ज़त में बराबर.....	56
खुदावंद येसू मसीह खुदा के बराबर सब चीज़ों का मालिक है.....	56
मुंजी (नजात देने वाला) खुदा और मुंजी येसू मसीह.....	56
खुदा शरीअत का बेक़ैद है खुदावंद येसू मसीह भी खुदा के बराबर ही शरीअत का बेक़ैद है.....	57
दोनों नामों की एक ही ताअरीफ़.....	57
खुदा की बादशाहत और बहिश्त में दाख़िल होने की दावत तमाम दुनिया को.....	62

## दीबाचा

इस किताब का मज़मून समझदार पढ़ने वाले के लिए बाइस मक़बूल होगा और कलाम यानी बाइबल ही के ज़रीये साबित किया जाएगा। जो तौरैत, ज़बूर और अम्बिया के सहीफ़े और इन्जील शरीफ़ का मजमूआ है, कि सय्यदना मसीह खुदा हैं। जो जिस्म में जाहिर हुए।

मैं हर एक पढ़ने वाले से दरख्वास्त करता हूँ कि वो निहायत संजीदगी से इस किताब का मुतालआ ग़ैर-मुतास्सुबाना ख़्याल से करे। इस बात को भी मददे-नज़र रखे कि बाइबल यानी कलाम इलाही खुदा की वहदानियत पर निहायत ज़ोर देता है जिस पर पूरे तौर पर हमारा ईमान है।

**बैरूनी शहादत :** हर पढ़ने वाला इस बात को भी मददे-नज़र रखे। कि जितने हवालेजात इस किताब में दिए गए हैं वो कलाम मुक़द्दस ही के मुख्तलिफ़ हिस्सों के नाम हैं।

तौरैत, ज़बूर और अम्बिया के सहीफ़ों के मजमूए की नक़लें मुताबिक़ अस्ल अभी तक मौजूद हैं। जो सय्यदना मसीह के मुजस्सम होने से ही पहले यानी आज से तकरीबन 1900 साल पेशतर मौजूद थीं।

तीन इंजीलें नक़ल शूदा मुताबिक़ अस्ल मौजूद हैं। जो अस्ल ज़बान यूनानी से बड़े बड़े हुरूफ़ में नक़ल की गई हैं। और चौथी सदी सन-ए-ईस्वी यानी आज से 1600 साल पेशतर से मौजूद हैं। मुन्दरिजा ज़ैल जगहों पर इनको देखा जा सकता है।

## अस्ल यूनानी ज़बान से नक़ल शूदा इंजीलों के नाम

- (1) कोडेक्स सिनाईटिकस लंदन के अजाइब घर में अभी तक मौजूद है।
- (2) कोडेक्स वेटीकंस जो रोमा में अभी तक मौजूद है।
- (3) और एफ़्राईम कोडेक्स पैरिस में मौजूद है।

**अंदरूनी शहादत :** बैरूनी शहादत के इलावा बाइबल की पेशीनगोईयां और बाइबल ही में उनका पूरा होना इस के अस्ल होने को साबित करता है। क्योंकि लिखा है,

सय्यदना मसीह ने कहा, “मैं तौरैत या नबियों की किताब को.... पूरा करने आया हूँ। क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ कि जब तक ज़मीन और आस्मान टल ना जाएं एक लफ़्ज़ या एक शोशा तौरैत से हरगिज़ ना टलेगा। जब तक पूरा ना हो जाए।” (मत्ती 15:17 ता 18 इन्जील शरीफ़)

“खुदा का कलाम अबद तक कायम है।” (यसअयाह 40:8 अम्बिया के सहीफ़े)

इसलिए हम ईमान से कह सकते हैं। कि खुदा का कलाम अबद तक कायम है।

उर्दू का तर्जुमा जो कलाम मुक़द्दस से यहां किया गया है। असली ज़बान यूनानी के मुताबिक़ है। और कोई ज़बान का आलिम इसे परख सकता है। जो असली यूनानी ज़बान से माहिर है।

हम उम्मीद करते हैं और दुआ करते हैं। कि इस किताब का हर एक पढ़ने वाला कलाम मुक़द्दस यानी बाइबल पढ़ने में खुद दिलचस्पी लेगा। और इस किताब का मुसन्निफ़ खुशी से मुतलाशियों को कलाम मुक़द्दस के मुहय्या करने का इंतिज़ाम करेगा।

(डेनिस ई. क्लार्क)

## मुसन्निफ़ की राय

ये किताब मैंने शिमला से कुछ फ़ासिले पर छोटी सी रियासत बड़ाड़ी में अलैहदगी में खुदावंद के कदमों में बैठ कर और अज़ीज़ बुजुर्ग राइट साहब और अज़ीज़ भाई डेनिस ई. क्लार्क की रिफ़ाक़त में बैठ कर लिखी। उनकी दुआएं मेरी रूह की तकवियत का बाइस बर्नी। मैं खुद भी डरता काँपता और कमज़ोरी में लिखने से पहले दुआ करता रहा। खुदावंद का रूह मुझे सँभालता रहा।

यसअयाह नबी ने खुदावंद का जलाल देखा यूहन्ना रसूल ने जज़ीरा पटमस में सय्यदना मसीह का जलाल देखा। शागिर्दों के सामने सय्यदना मसीह की शकल बदल गई और उन्होंने ने उस का जलाली चेहरा देखा। पौलूस रसूल पर उसका नूरानी चेहरा चमका। स्तिफ़नुस ने आस्मान को खुला हुआ देखा और मसीह का जलाल देखा। और बुजुर्गों और लाखों और करोड़ों फ़रिश्तों ने सय्यदना मसीह के जलाल और बुजुर्गों की गवाही दी चुनान्चे लिखा है “और जब मैंने निगाह की तो उस तख़्त और उन जानदारों और बुजुर्गों के गिर्दागिर्द बहुत से फ़रिश्तों की आवाज़ सुनी जिनका शुमार लाखों और करोड़ों में था और वो बुलंद आवाज़ से कहते थे कि ज़ब्ह किया हुआ बर्सा (मसीह) ही कुदरत और दौलत और हिक्मत और ताक़त और इज़ज़त और तम्ज़ीद और हम्द के लायक़ है।” (मुकाशफ़ा 5:11 ता 12)

इसी तरह इस छोटी सी किताब में मेरी गवाही भी उनके साथ शामिल हो कर मसीह की उलूहियत की गवाही दी है ताकि उस के बुजुर्ग नाम को जलाल पर जलाल पहुंचे।  
आमीन।

(जय चनन ख़ान)

## उलूहियत मसीह

### बाब अद्वल

**कलाम मुजस्सम हुआ। (यूहन्ना 1:14 इन्जील)**

**सय्यदना मसीह के मुजस्सम होने की वजह**

“क्योंकि वो जिससे किसी जान का कफ़ारा होता है। सो लहू है।” (तौरैत यानी मूसा की तीसरी किताब अहबार 17:11)

जब बनी-इसाईल मुल्क मिस्र में फिरौन की गुलामी में थे। तो खुदा ने उन्हें “बेऐब” बर्रे की कुर्बानी के खून से कफ़ारा देकर आज़ाद किया। चुनान्चे लिखा है (जिस्म में) मसीह से 491 साल पेशतर का नविश्ता (तौरैत) “तुम्हारा बर्रा” बेऐब होना चाहिए। ..... तो खुदावंद दर (दरवाज़े) पर से गुज़रेगा और हलाक करने वाले को ना छोड़ेगा। कि तुम्हारे घरों में आकर तुम्हें मारे।” (तौरैत खुरुज 12:22 ता 23) यहां पर खुदा ने मिस्र से और फिरौन की गुलामी से इस “बेऐब बर्रे” के खून से बनी-इसाईल को खलासी दी।

इसी तरह सय्यदना मसीह ने बेऐब बर्रा हो कर दुनिया की गुनाह आलूदा हालत से उन लोगों की खलासी कराई जो उस पर दिल से ईमान लाए। खुदा ने इस बेऐब बर्रे के खून से गुनाहों का कफ़ारा यानी सय्यदना मसीह की असली कुर्बानी का भेद हम पर खोल दिया। चुनान्चे लिखा है “मगर आज तक जब मूसा की किताब पढ़ी जाती है। तो उनके दिल पर पर्दा पड़ा रहता है। लेकिन जब कभी उनका दिल सय्यदना मसीह की तरफ़ फिरेगा। तो वो पर्दा उठ जाएगा।” (इन्जील 2 कुरिन्थियों 3:15) और करीबन सारी चीज़ें शरीअत के मुताबिक़ खून से पाक की जात हैं। “और बग़ैर खून बहाए माफी (गुनाहों की) नहीं होती।” (इन्जील इब्रानियों 9:22) पस ज़रूर था कि आस्मानी चीज़ों की “नक़लें” तो इनके वसीले से (जानवरों यानी बर्रे के खून से) पाक की जाएं मगर खुद आस्मानी चीज़ें इनसे बेहतर कुर्बानियों के वसीले से। (इब्रानियों 9:23) तो मालूम हुआ कि पुराने अहदनामे यानी मूसा के वक़्त के जानवरों और बर्रे की कुर्बानियां असली चीज़ों की नक़ल थीं।

**अस्ल कुर्बानी सय्यदना मसीह हैं**

चुनान्चे लिखा है कि “लेकिन जब मसीह आइन्दा की अच्छी चीज़ों का सरदार काहिन (इमाम-ए-आज़म) हो कर आए।..... तो बकरों और बछड़ों का खून लेकर नहीं बल्कि अपना ही खून लेकर अबदी खलासी कराई।” (इब्रानियों 9:11 ता 12)

असली बेऐब बर्रे सय्यदना मसीह है। (जिसका ज़िक्र तौरत में है।) “दूसरे दिन उसने (यूहन्ना नबी ने) सय्यदना मसीह को अपनी तरफ़ आते देख कर कहा ये खुदा का बर्रा है। जो दुनिया का गुनाह उठा ले जाता है।” (इन्जील यूहन्ना 1:29)

“तुम्हारी खलासी फ़ानी चीज़ों यानी सोने चांदी के ज़रीये से नहीं हुई। बल्कि एक बेऐब और बेदाग़ बर्रे यानी मसीह के बेशकीमत खून से। इस का इल्म तो बनाए आलम पेशतर से था। मगर ज़हूर आखिरी ज़माने में तुम्हारी खातिर हुआ।” (इन्जील 1 पतरस 1:18 ता 20)

मसीह के मुजस्सम होने से 1491 साल पेशतर का वाकिया अभी हमने पढ़ा। कि किस तरह बेऐब बर्रे के खून से बनी इस्राईल ने मुल्क मिस्र से खलासी पाई। और उस का असली ज़हूर मसीह के बेऐब बर्रे में हो कर कुर्बान होने से साफ़ हुआ।

सय्यदना मसीह के मुक़द्दस लोगों का उस के हक़ में गीत (कियामत के वक़्त) “और वो नया गीत गाने लगे कि तूही इस किताब के लेने और उस की मोहरें खोलने के लायक़ है। क्योंकि तूने ज़ब्ह हो कर अपने खून से हर एक क़बीले और अहले ज़बान और क़ौम में से (वो जो हर एक क़ौम में से सय्यदना मसीह पर ईमान लाए हैं) खुदा के वास्ते लोगों को खरीद लिया।” (इन्जील मुकाशफ़ा 5:9) “और वो बुलंद आवाज़ से कहते थे कि ज़ब्ह किया हुआ बर्रा (मसीह) ही कुद़त और दौलत और हिक्मत और ताक़त और इज़ज़त और तम्ज़ीद और हम्द के लायक़ है।” (इन्जील मुकाशफ़ा 5:12)

## एक बड़ा भेद

खुदा के घर यानी ज़िंदा खुदा की कलीसिया में जो हक़ का सुतून और बुनियाद है। क्योंकि बर्ताव करना चाहिए। इस में कलाम नहीं। कि “दीनदारी का भेद बड़ा है। यानी वो (यानी खुदा, इस्म-ए-इशारे बईद) (साथ की आयत में खुदा है) जो जिस्म में ज़ाहिर हुआ। और रूह में रास्तबाज़ ठहरा। और फ़रिशतों को दिखाई दिया। और ग़ैर क़ौमों में उस की



मुनादी हुई। और दुनिया में उस पर ईमान लाए और जलाल में ऊपर उठाया गया। (इन्जील 1 तीमुथियुस 3:15 ता 16) इस से हमने मालूम किया कि ये भेद जो बड़ा है। वो ये है कि इन आयतों में बताया गया है। कि खुदा जिस्म में जाहिर हुआ। और उस के मुजस्सम होने की वजह हमने मालूम की। कि वो अपने पाक खून से हमारे गुनाहों का कफ़ारा दे।”

क्योंकि जिससे किसी जान का कफ़ारा होता है वो “लहू” है। (तौरैत) और बगैर खून बहाए माफ़ी नहीं। (इन्जील)

हाँ ये भेद तो वाक़ई ही बड़ा है। इसलिए आप अपने दिमाग़ से नहीं बल्कि खुदा के रूह से इसे समझ सकते हैं। अगर आप इस भेद को समझना चाहते हैं तो लिखा है, “पस अब से हम किसी को जिस्म की हैसियत से ना पहचानेंगे हाँ अगर मसीह को भी जिस्म की हैसियत से जाना था। मगर अब से नहीं जानेंगे।” (इन्जील 2 कुरिन्थियों 5:16) क्योंकि अगर उस के जिस्म का मुकाबला आम लोगों के गुनाह आलूदा जिस्मों के साथ करेंगे। तो आप इस भेद को ना समझ सकेंगे। इसलिए इस भेद को समझने के लिए ये ज़रूर कहना पड़ेगा मसीह को “जिस्म की हैसियत से ना पहचानेंगे। “मगर अब से नहीं जानेंगे

हाँ वो मुजस्सम हुआ। और जिस्म ही में सलीब पर चढ़ा और जिस्म ही में उसने अपना खून बहाया और जिस्म ही में मरा। लेकिन कलाम खुदा था। (यूहन्ना 1:1) और खुदा रूह है। (यूहन्ना 4:24) हाँ वाक़ई ये भेद है। सय्यदना मसीह जिस्म में मरा मगर रूह में नहीं। क्योंकि हमें मालूम है, कि खुदा रूह है और खुदा का रूह हमेशा ज़िंदा है। जिस्म की मौत से सय्यदना मसीह ने अपने जिस्म की कुर्बानी से हमारे लिए हमेशा की ज़िंदगी का काम पूरा किया। चुनान्चे लिखा है “जिस्म में जाहिर हुआ। और रूह में रास्तबाज़ ठेहरा।” इसलिए कि सय्यदना मसीह रूह-उल्लाह है। और कलाम रूह-उल्लाह को जो सय्यदना मसीह की सिफ़त है खुदा कहता है यानी खुदा रूह है। पस साबित हुआ और मालूम हुआ। कि सय्यदना मसीह ही खुदा है और उस के जिस्म में जाहिर होने का मतलब ईमान से हमें हमेशा की ज़िंदगी देना है।

## बाब दोएम

### अम्बिया और सय्यदना मसीह का मुक़ाबला

(जिस्म में) मसीह से तकरीबन 800 साल पेशतर योएल नबी का नविश्ता “और ऐसा होगा कि जो कोई खुदावंद का नाम लेगा। सो नजात पाएगा।” (अम्बिया के सहीफ़े योएल 2:22)

पूरा हुआ कि “अगर तुम सय्यदना मसीह के खुदावंद होने का इकरार करो।..... तो नजात पाओगे।” (इन्जील रोमियों 10)

और इसी आयत के ताल्लुक में आगे यूं लिखा है :-

“जो कोई खुदावंद का नाम लेगा नजात पाएगा।” (रोमियों 13 इन्जील) फिर लिखा है :-

“खुदा की जमाअत (मुक़द्दस लोग) के नाम जो कुरिन्थुस में है। यानी उनके नाम जो मसीह में पाक किए गए। और मुक़द्दस लोग होने के लिए बुलाए गए हैं और उन सब के नाम भी जो हर जगह हमारे और अपने खुदावंद मसीह का नाम लेते हैं।” (इन्जील 1 कुरिन्थियों 1:2)

शाऊल का सय्यदना मसीह का रसूल मुकर्रर होना (हननियाह ने शाऊल को कहा जो बाद में मसीह का रसूल हुआ) “अब क्यों देर करता है। उठ बपतिस्मा लेकर और उस का नाम लेकर (मसीह का) अपने गुनाहों को धो डाल।” (इन्जील आमाल 21:16)

योएल नबी ने मसीह के मुजस्सम होने से तकरीबन 800 साल पेशतर ये पेशीनगोई की थी “जो कोई खुदावंद का नाम लेगा नजात पाएगा।” जो मसीह के हक़ में पूरी हुई तो मसीह सिर्फ़ एक नबी ही नहीं बल्कि खुदावंद है।

(पतरस मसीह के रसूल का वाअज़) “और जो कोई खुदावंद का नाम लेगा नजात पाएगा।” (इन्जील आमाल 2:41) उसी दिन करीबन 3000 आदमी सय्यदना मसीह पर ईमान लाए और नजात पाई।

मसीह सिर्फ एक नबी ही नहीं बल्कि नबी से बड़ा यानी खुदावंद है। चुनान्चे लिखा है। (येसू मसीह ने कहा) “दक्षिण की मलिका इस ज़माने के आदमियों के साथ अदालत के दिन उठकर उन्हें मुजरिम ठहराएगी। क्योंकि दुनिया के किनारे से सुलेमान की हिक्मत सुनने को आई। और देखो यहां वो है (येसू मसीह) जो सुलेमान से भी बड़ा है।” (इन्जील लूका 11:31)

“नैनवा के लोग इस ज़माने के लोगों के साथ अदालत के दिन खड़े हो कर उन्हें मुजरिम ठहराएंगे क्योंकि उन्होंने यूनस (यूनाह नबी) की मुनादी पर तौबा करली। और देखो यहां वो है (येसू मसीह) जो यूनस (यूनाह नबी) से भी बड़ा है।” (इन्जील लूका 11:32)

सुलेमान बादशाह और यूनस नबी दोनों खुदा के चुने हुए बंदे हैं। और सय्यदना मसीह ने कहा “यहां वो है जो इन से भी बड़ा है।”

अज़ीज़ो सय्यदना मसीह सिर्फ एक नबी ही नहीं। क्योंकि नबी दूसरे नबी से बड़ा नहीं हो सकता। जैसे एक आदमी का दर्जा बे। उपास का है। और दूसरे का दर्जा भी बी।ए पास का है। तो दर्जा में वो दोनों बराबर हुए लेकिन अगर किसी तीसरे का दर्जा एम-ए पास अहो। तो बी. ए. पास का दर्जा एम. ए. पास वाले के बराबर ना हुआ। बल्कि एम. ए. पास वाले का दर्जा बी. ए. पास वाले के दर्जे से बड़ा है। इसी तरह सय्यदना मसीह ने कहा यहां वो है। जो यूनस से भी बड़ा है। यूनस या यूना एक नबी हुआ है। और सय्यदना मसीहा स से भी बड़ा है। और नबी से बड़ा खुदा है जो मसीह को सिर्फ नबी मानता है। वो नहीं बल्कि जो उसे खुदावंद मानता है वो नजात पायगा। “खुदावंद वही खुदा है। और उस के सिवा कोई नहीं है।” (इस्तशना 4:35 तौरैत) और उन्हें बाहर ला कर कहा। ऐ साहिबो मैं क्या करूँ कि नजात पाऊं? उन्होंने कहा सय्यदना “मसीह पर ईमान ला तो तू और तेरा घराना नजात पाएगा।” (इन्जील आमाल 16:30 ता 31) तो क्या हुआ लिखा है। “उसी वक़्त अपने सब लोगों समेत बपतिस्मा लिया।..... और अपने सारे घराने समेत ईमान ला कर बड़ी खुशी की।” (इन्जील आमाल 16:33 ता 34) क्या आप सय्यदना मसीह पर ईमान ला कर दिली खुशी चाहते हैं।

**सिर्फ खुदा इन्सान के दिल को जानता है**

(जिस्म में) मसीह से 1004 साल पेशतर का नविश्ता। (अम्बिया के सहीफे) सुलेमान की खुदा से दुआ :-

“ऐ खुदावंद मेरे खुदा। अपने बंदे की दुआ और ज़ारी पर कान धर।” (अम्बिया के सहीफे 1 सलातीन 8:28)

और आगे चल कर इसी दुआ में यूँ कहता है :-

कि “तू ही अकेला सारे बनी-आदम के दिल को जानता है।” (1 सलातीन 8:39) मसीह के हक़ में ये नविश्ता पूरा हुआ :-

“लेकिन येसू अपनी निस्बत उन पर एतबार ना करता था। इसलिए कि वो सबको जानता था। और इस की हाजत ना रखता था। कि कोई इन्सान के हक़ में गवाही दे। क्योंकि वो (येसू) आप जानता था। कि इन्सान के दिल में क्या-क्या है।” (यूहन्ना 2:24 ता 25, इन्जील)

यहां पर मालूम हुआ। कि येसू सबको जानता था। कि इन्सान के दिल में क्या-क्या है। जिसे यानी हर एक बनी-आदम के दिल को जानने वाले को सुलेमान अपनी दुआ में यूँ कहता है। “ऐ खुदावंद मेरे खुदा।”

शमुएल खुदा का नबी था। चुनान्चे लिखा है “शमुएल खुदावंद का नबी मुकर्रर हुआ।” (अम्बिया के सहीफे 1 शमुएल 2:21) वाकई यूँ है।

खुदा ने शमुएल नबी से कहा। कि मैं तुझे बैतउलहमी येस्सी के पास भेजता हूँ। मैंने उस के बेटों में से एक को अपने लिए बादशाह ठेहराया है। (अम्बिया के सहीफे 1 शमुएल 16:1) साथ ही ये भी कहा। कि मैं जिसका नाम तुझे बताऊं उसे ममसूह करना। (1 शमुएल 16:3 अम्बिया के सहीफे) सो शमुएल नबी खुदा के कहने के मुताबिक़ येस्सी के घर गया। येस्सी के आठ बेटे थे दाऊद येस्सी का सबसे छोटा बेटा था। सात बड़े बेटे शमुएल नबी के आने पर घर पर थे। और दाऊद बाहर भीड़ बकरियां चरा रहा था। शमुएल नबी ने येस्सी के सबसे बड़े बेटे इलियाब पर नज़र की। इलियाब बहुत खूबसूरत था। उस का चेहरा चमकदार और क़द ऊंचा था। शमुएल नबी ने इलियाब पर नज़र की और बोला। ये खुदावंद का ममसूह उस के आगे है। पर खुदावंद ने शमुएल से कहा कि मैंने उसे नापसंद

किया। कि खुदावंद इन्सान की मानिंद नहीं देखता। क्योंकि आदमी ज़ाहिर को देखता है। पर खुदावंद दिल पर नज़र करता है। (अम्बिया के सहीफ़े 1 शमुएल 16:6 ता 7)

यहां पर मालूम हुआ। कि शमुएल जो एक नबी था। इन्सान के दिल को मालूम नहीं कर सकता था। जब तक खुदा ने उसे नहीं बताया। बल्कि दाऊद की जगह उसने इलियाब की ज़ाहिरी ख़ूबसूरती और जवानी की वजह से ग़लत नतीजा निकाला।

इसी तरह अगर सय्यदना मसीह भी सिर्फ एक नबी ही होते। तो लोगों के दिल को ना जान सकते थे। लेकिन यूहन्ना की गवाही इन्जील में यूं है, कि येसू सबको जानता था कि इन्सान के दिल में क्या-क्या है। अब सुलेमान अपनी दुआ में कहता है। कि तू ही अकेला बनी-आदम के दिल को जानता है। और खुद एक बर्गुज़ीदा होते हुए भी इन्सान के दिल को नहीं जानता। क्योंकि अगर जानता होता। तो फिर यूं ना कहता कि “तू अकेला” और इन्सान के दिल के जानने वाले को कहता है।

ऐ खुदावंद मेरे खुदा। जो मसीह के हक़ में इन्सानों के दिलों को जानने की वजह से पूरे हुए।

क्योंकि दिलों को जानने वाला सिर्फ एक है। और मालूम हुआ। कि येसू मसीह सब के दिलों को जानता है। पस येसू मसीह ही अकेला खुदा है।

(जिस्म में) मसीह से करीबन 594 साल पेशतर का नविश्ता। (अम्बिया के सहीफ़े) “और खुदावंद की रूह मुझ पर पड़ी। और उस ने मुझसे कहा। कि ये कह। खुदावंद यूं फ़रमाता है कि ऐ इस्राईल सुन तुमने यूं यूं कहा। मैं तुम्हारे दिल के खयालों में से जो तुम्हारे दिल में उठते एक एक को जानता हूँ।” (हिज़्कीएल 11:5 अम्बिया के सहीफ़े) मतलब ये कि खुदावंद बनी-इस्राईल के दिल के एक-एक खयाल को जानता था।

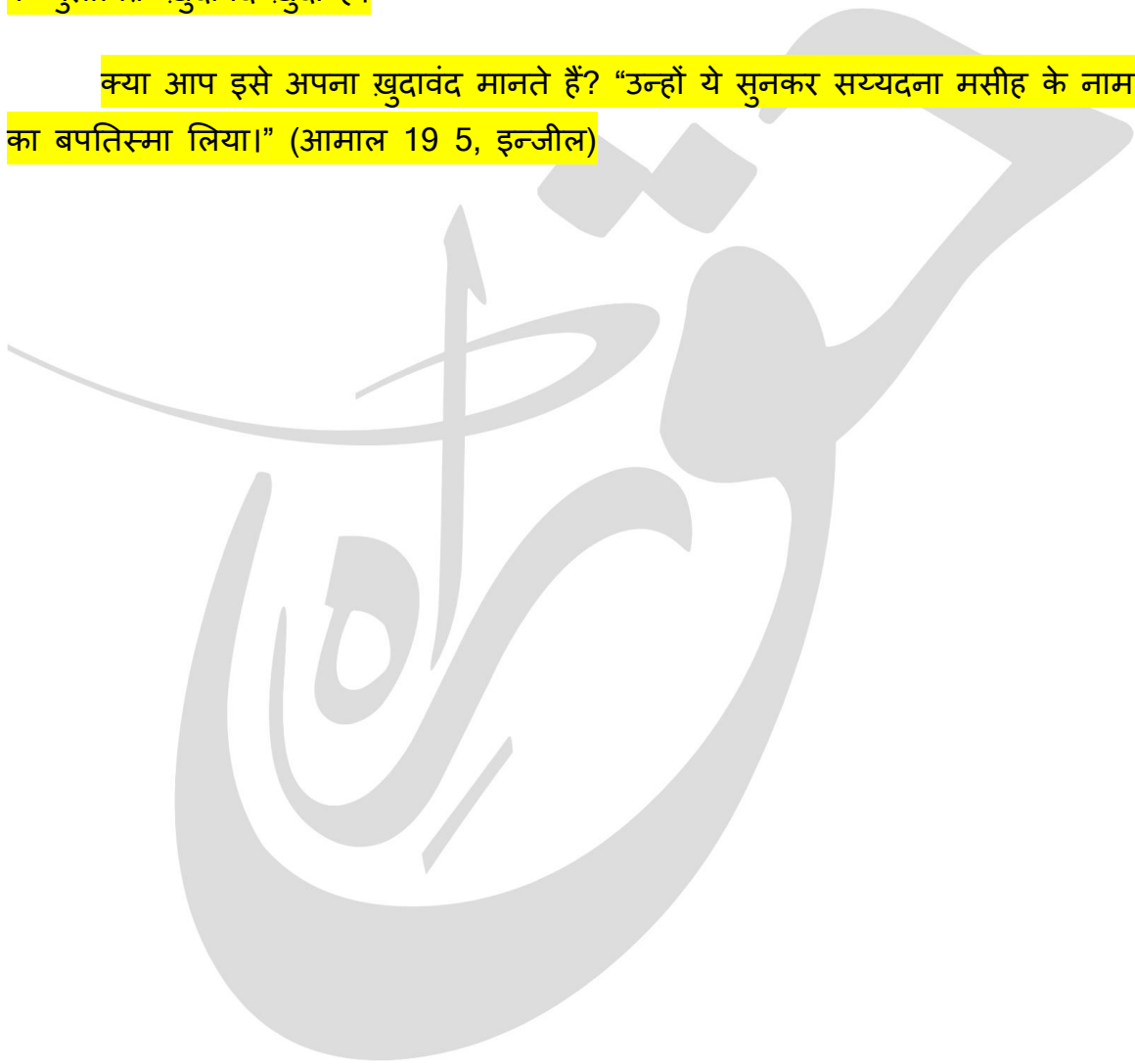
मसीह के हक़ में पूरा हुआ। चुनान्चे लिखा है :-

खुदा का बेटा जिसकी आँखें आग के शोले की मानिंद और पाओं खालिस पीतल की मानिंद हैं। ये कहता है के ..... और उस के फ़रज़न्दों को जान से मारूंगा। और सारी कलीसियाओं को मालूम होगा कि गुर्दों और दिलों के जांचने वाला मैं हूँ।” (मुकाशफ़ा 2:18, 23)

## खुदा की मसीह के लिए गवाही

“और देखो आस्मान से ये आवाज़ आई कि ये मेरा प्यारा बेटा है। जिससे मैं खुश हूँ।” (मती 3:17, इन्जील) तो मालूम हुआ कि खुदा का बेटा यानी मसीह गुर्दों और दिलों को जांचने वाला है। और दिलों और गुर्दों को जांचने की वजह से हिज़्कीएल नबी के नविशते के मुताबिक़ खुदावंद खुदा है।

क्या आप इसे अपना खुदावंद मानते हैं? “उन्होंने ये सुनकर सय्यदना मसीह के नाम का बपतिस्मा लिया।” (आमाल 19 5, इन्जील)



## बाब सोइम

# फ़रिश्तां और लोगों की परस्तिश

सिवाए खुदा के जिसने आस्मान और ज़मीन और उन में सब चीज़ें पैदा कीं। किसी दूसरे की इबादत करना। मूसा के पहले दो हुक्मों को तोड़ना है। दूसरे अल्फ़ाज़ में ये कि इबादत और परस्तिश सिर्फ़ खुदा ही की करनी जायज़ है। (तौरत ख़ुरूज 10:6)

## जिसके सामने हर एक घुटना टेका जाएगा

(जिस्म में) मसीह से तकरीबन 712 साल पेशतर की पेशीनगोई (अम्बिया के सहीफ़े) “मेरी तरफ़ रूजू लाओ ताकि तुम नजात पाओ। ऐ ज़मीन सब रहने वालो। कि मैं खुदा हूँ। और मेरे सिवा कोई नहीं। मैंने अपनी हयात की कसम खाई है। कलाम सिदक़ मेरे मुँह से निकला है और ना फिरेगा। कि हर एक घुटना मेरे आगे झुकेगा।” (यसअयाह 45:22 ता 23 अम्बिया के सहीफ़े) यहां पर खुदा ने कसम खा कर यसअयाह नबी की मार्फ़त पेशीनगोई की है, कि हर एक घुटना मेरे आगे झुकेगा यानी उसी की इबादत और परस्तिश की जाएगी।

## मसीह के हक़ में पूरी हुई

“ताकि येसू (ईसा) के नाम पर हर एक घुटना टिके। ख़्वाह आसमानियों का हो। ख़्वाह ज़मीनियों का। ख़्वाह उन का जो ज़मीन के नीचे हैं।” (इन्ज़ील फिलिप्पियों 2:10) यसअयाह नबी की मार्फ़त जिसने कहा। कि हर एक घुटना मेरे आगे झुकेगा। वो खुदा है। और वो नविश्ता मसीह के हक़ में पूरा हुआ। कि हर एक घुटना येसू के नाम पर टिके। पस येसू मसीह यसअयाह नबी के नविश्ते के मुताबिक़ खुदा है। क्योंकि लिखा है :-

“कि मैं खुदा हूँ” जिसके सामने हर एक घुटना टेका जाएगा।”

(जिस्म में) मसीह से 725 साल पेशतर की पेशीनगोई (अम्बिया के सहीफ़े) बावजूद इस के खुदावंद यूं फ़रमाता है। “देखो मैं सीहोन में बुनियाद के लिए एक पत्थर रखूँगा। एक आज़माया हुआ। पत्थर कोने के सिरे का एक मज़बूत न्यू वाला पत्थर उस पर जो ईमान लाए शर्मिदा ना होगा।” (यसअयाह 28:16 अम्बिया के सहीफ़े)

## मसीह के हक़ में पूरी हुई

कोने के सिरे का पत्थर “जिस (मसीह) को मुअम्मरों ने रद्द किया वही कोने के सिरे का पत्थर हो गया।” (इन्जील मती 21:42) येसू नासरी जिसको तुमने सलीब दी।..... ये वही पत्थर है। जिसे तुम मुअम्मरों ने हक़ीर जाना। और वो (येसू मसीह) कोने के सिरे का पत्थर हो गया।” (आमाल 4:10 ता 11 इन्जील) तो मालूम हुआ। कि कोने के सिरे का पत्थर मसीह है।

अब यसअयाह नबी कहता है। जो इस पत्थर यानी येसू मसीह पर ईमान लाएगा। शर्मिदा ना होगा। (यसअयाह 28:16)

फिर यूं लिखा है। कि “अगर तू अपनी ज़बान से येसू नासरी के खुदावंद होने का इकरार करे और अपने दिल से ईमान लाए। कि खुदा ने उसे मुर्दों में से जिलाया तो नजात पाएगा।” (रोमियों 10:9, इन्जील) चुनान्चे किताब-ए-मुक़द्दस (यसअयाह 28:16) ये कहती है। कि जो कोई उस (यहां इस इस्म-ए-इशारा बर्ड है जो लफ़ज़ येसू के लिए इस्तिमाल हुआ है)

पर ईमान लाएगा। वो शर्मिदा ना होगा। क्योंकि यहूदियों और यूनानियों में कुछ फ़र्क नहीं। क्योंकि वही (येसू) सब का खुदावंद है। और अपने सब दुआ मांगने वालों के लिए फ़र्याज़ है।”

सो ये सब आयतें बताती हैं, कि येसू से दुआ मांगी जाती है। जो ना सिर्फ़ खुदा ही से मांगी जाती है।

जिस तरह हमने मालूम किया कि हर एक घटना मसीह के सामने टिकेगा। उसी तरह हमने ये भी मालूम किया। कि येसू से दुआ भी मांगी जाती है। और जब तक कोई इन्सान उस के खुदावंद होने का इकरार दिल से ना करे क्योंकि उस से दुआ मांग सकता है? चुनान्चे लिखा है। “मगर जिस पर वो ईमान नहीं लाए उस से क्योंकि दुआ मांगें?” (रोमियों 10:14, इन्जील)

**शागिर्दों ने सय्यदना मसीह से दुआ मांगी**



“पस ये स्तिफ़नुस (सय्यदना मसीह का शागिर्द) को संगसार करते रहे और वो ये कह कर दुआ मांगता रहा। “ऐ खुदावंद येसू मेरी रूह को कुबूल करा।” (आमाल 7:59 इन्जील)

हाँ जो उस पर सच्चे दिल से ईमान लाते हैं। उसे खुदावंद कह कर उस से दुआ मांगते हैं।

अगर आप सच्चे दिल से येसू को अपना खुदावंद अपनी ज़बान से इकरार करके मानें। और अपने दिल से ईमान लाएं। कि उसने सलीबी मौत आपके गुनाहों के लिए बर्दाश्त की। और ज़िंदा हुआ। तो वो आपकी मौत और जहन्नम की अबदी हलाकत से निकाल कर हमेशा की ज़िंदगी में दाखिल करेगा। आप अगर दिली तौर पर ईमान रख कर इन दोनों बातों को दिल से मानते हैं। तो लिखा है :-

“तो नजात पायेगा।” (रोमियों 10:9 इन्जील)

इल्म, जायदाद, बड़े खानदान में पैदा होना। और फ़िलोसफ़ी और मन्तिक, अपने कर्म या अपने काम नजात के लिए बेकार हैं। क्योंकि लिखा है। “कि हमारी सारी रास्तबाज़ियां गंदी धज्जियाँ हैं। (यसअयाह 64:6) बहुत सी जगहों का यात्रा करना। हज़ार रुपया की आमदनी में से पचास रुपये ख़ैरात करना। अमीर होने की हैसियत में हस्पताल या सराय खोल देना। रस्म के तौर पर नमाज़ पढ़ लेना। और इस तरह के अपने बनाए हुए कर्म या अपनी रास्तबाज़ियां खुदा के सामने गंदी धज्जियाँ हैं। अगर इस किस्म की अपनी समझ की रास्तबाज़ी आपको गुनाह से नहीं पाक कर सकती। तो इस का कोई फ़ायदा नहीं। अगर इन बातों के बावजूद नफ़सानी और जिस्मानी ख़्वाहिश आपके दिल में हों। तो क्या वाकई ये गंदी धज्जियाँ नहीं। अगर इन्सान रुपये से नजात हासिल कर सकता है। तो ग़रीब बिचारे तो रुपया खर्च करके यात्रा नहीं कर सकते हैं। ना हस्पताल खोल सकते हैं। ना बहुत सी आमदानी है, कि बहुत सा रुपया दूसरों को ख़ैरात करें। तो फिर तो ऐसा आदमी पचास रुपये ख़ैरात करने से और बाकी रुपया शराबखोरी और नफ़सानी ख़्वाहिशों को पूरा कर के नजात हासिल करले।

लेकिन लिखा है कि “तुम्हारी ख़लासी फ़ानी चीज़ों यानी सोने चांदी के ज़रीये नहीं। बल्कि एक बेऐब और बेदाग बर्रे यानी मसीह के बेशकीमत खून से।” (1 पत्रस 1:18 ता

19 इन्जील) ये तो खुदा की बख्शिश है। “क्योंकि तुमको ईमान के वसीले फ़ज़ल ही से नजात मिली। और ये तुम्हारी तरफ़ से नहीं। खुदा की बख्शिश है। और ना आमाल के सबब से ताकि कोई फ़ख़्र ना करे।” (इफ़िसियों 2:8 ता 9 इन्जील)

हर एक ग़रीब और अमीर बड़ा, और छोटा खुदा के नज़दीक एक बराबर है। बशर्ते के वो ईमान लाए।

“क्या तू खुदा के बेटे (येसू) पर ईमान लाता है?” (यूहन्ना 9:35)

(अंधा जो खुदावंद येसू से बीना हो चुका था)

“उसने कहा। ऐ खुदावंद मैं ईमान लाता हूँ। और उसे (येसू को) सज्दा किया (यूहन्ना 9:38 इन्जील)

खुदावंद येसू मसीह ने उस अंधे का सज्दा कुबूल किया। जिसकी आँखें खुदावंद ने खोली थीं। और सज्दा सिर्फ़ खुदा ही को किया जाता है।

तो आप खुद सोचें कि खुदावंद येसू क्या है? फिर लिखा है।

“और जब पहलौठे को (येसू को) दुनिया में फिर लाता है। तो कहता है, कि खुदा के सब फ़रिश्ते उसे (खुदावंद येसू को) सज्दा करें।” (इब्रानियों 1:6 इन्जील)

तो मालूम हुआ। कि सब फ़रिश्ते भी खुदावंद येसू मसीह को सज्दा करते हैं। और फिर लिखा है :-

“फ़रिश्तों की आवाज़ सुनी। जिनका शुमार लाखों और करोड़ों था। और वो बुलंद आवाज़ से कहते थे। कि ज़ब्ह किया हुआ बर्षा (खुदावंद येसू मसीह) ही कुद्वत और दौलत और हिक्मत और ताक़त और इज़ज़त और तम्ज़ीद और हम्द के लायक़ है।” (मुकाशफ़ा 5:11 ता 12 इन्जील)

“और चारों जानदारों ने आमीन कही और बुजुर्गों ने गिर के सज्दा किया।” (मुकाशफ़ा 5:14 इन्जील)

## तीन मजूसियों का खुदावंद येसू मसीह को सज्दा

“क्योंकि पूरब में उस का सितारा देखकर हम उसे सज्दा, करने आए हैं।” (मती 2:2 इन्जील) और इस (खुदावंद येसू) के आगे गिर के सज्दा किया।” (मती 2:11 इन्जील)

## शागिर्दों का खुदावंद येसू को सज्दा

“और देखो येसू उन्हें मिला। और कहा। सलाम। उन्होंने पास आकर उस के कदम पकड़े। और उसे सज्दा किया।” (मती 28:9, इन्जील) और ग्यारह शागिर्द गलील के उस पहाड़ पर गए। जो येसू ने उनके लिए मुकर्रर किया था। और उसे देखकर सज्दा किया।” (मती 28:16 ता 17, इन्जील)

इन तमाम आयतों से मालूम हुआ। कि खुदावंद येसू मसीह की हम्द व तम्जीद की जाती है। ना सिर्फ इन्सान, ना सिर्फ रसूल और उस के शागिर्द। बल्कि सब फ़रिश्ते भी उस की परस्तिश करते हैं।

उस के सामने अपने आपको झुकाते हैं। उस की इबादत करते हैं। उसे सज्दा करते हैं। और उस से दुआ मांगते हैं।

हाँ अभी हमने कलाम के हवाले में पढ़ा। कि हर एक घुटना खुदावंद के सामने टिकेगा। और वो येसू मसीह के हक़ में पूरा हुआ।

क्योंकि सब फ़रिश्ते, रसूल, शागिर्द और सब लोग येसू मसीह को सज्दा करते हैं। उस से दुआ मांगते हैं। उस की तारीफ़ और हम्द करते हैं। इसलिए येसू मसीह खुदा है।

“जो उस पर ईमान लाता है। उस पर सज़ा का हुक्म नहीं होता (यूहन्ना 3:18, इन्जील)

## तोमा की गवाही

“आठ रोज़ के बाद जब उस के शागिर्द फिर अन्दर थे। और तोमा उनके साथ था। और दरवाज़े बंद थे। तो येसू आया। और बीच में खड़ा हो कर बोला तुम्हारी सलामती हो।” (यूहन्ना 20:26, इन्जील)

सय्यदना मसीह के शागिर्द एक जगह जमा थे। दरवाज़े सबकी तरफ़ से बंद थे और जब तक दरवाज़ा खोला ना जाये। कोई इन्सान उस के अंदर दाखिल ना हो सकता था। क्योंकि लिखा है कि दरवाज़े बंद थे। लेकिन सय्यदना मसीह दरवाज़ों के बंद होते हुए भी उनके बीच में आ गया। होशाना खुदावंद येसू मसीह, होशाना खुदावंद येसू मसीह।

सय्यदना मसीह ने कहा “ज़मीन व आसमान टल जाएंगे। लेकिन उस के मुँह से निकला हुआ कलाम कभी टल नहीं सकता।” वाकई खुदावंद येसू मसीह ने जो कुछ कहा दुरुस्त है। “हक मैं हूँ।” (यूहन्ना 14:6 इन्जील)

“जहां दो या तीन मेरे नाम पर इखट्टे हैं। मैं उनके बीच में हूँ।” (मती 18:20, इन्जील)

येसू आया। “बीच में खड़ा हो कर तुम्हारी सलामती हो।” सिर्फ़ इन्सान की हालत में कभी शागिर्दों ने इन्सान को बंद दरवाज़ों की हालत में घर के अंदर आते नहीं देखा।

अज़ीज़ो! अजीब भेद। अजीब ताकत। हल्लेलुया

“फिर उस (सय्यदना मसीह) ने तोमा से कहा। अपनी उंगली पास लाकर मेरे हाथों को देख। और अपना हाथ लाकर मेरी पसली में डाल और बेएतिक़ाद ना हो।” (यूहन्ना 20:27 इन्जील)

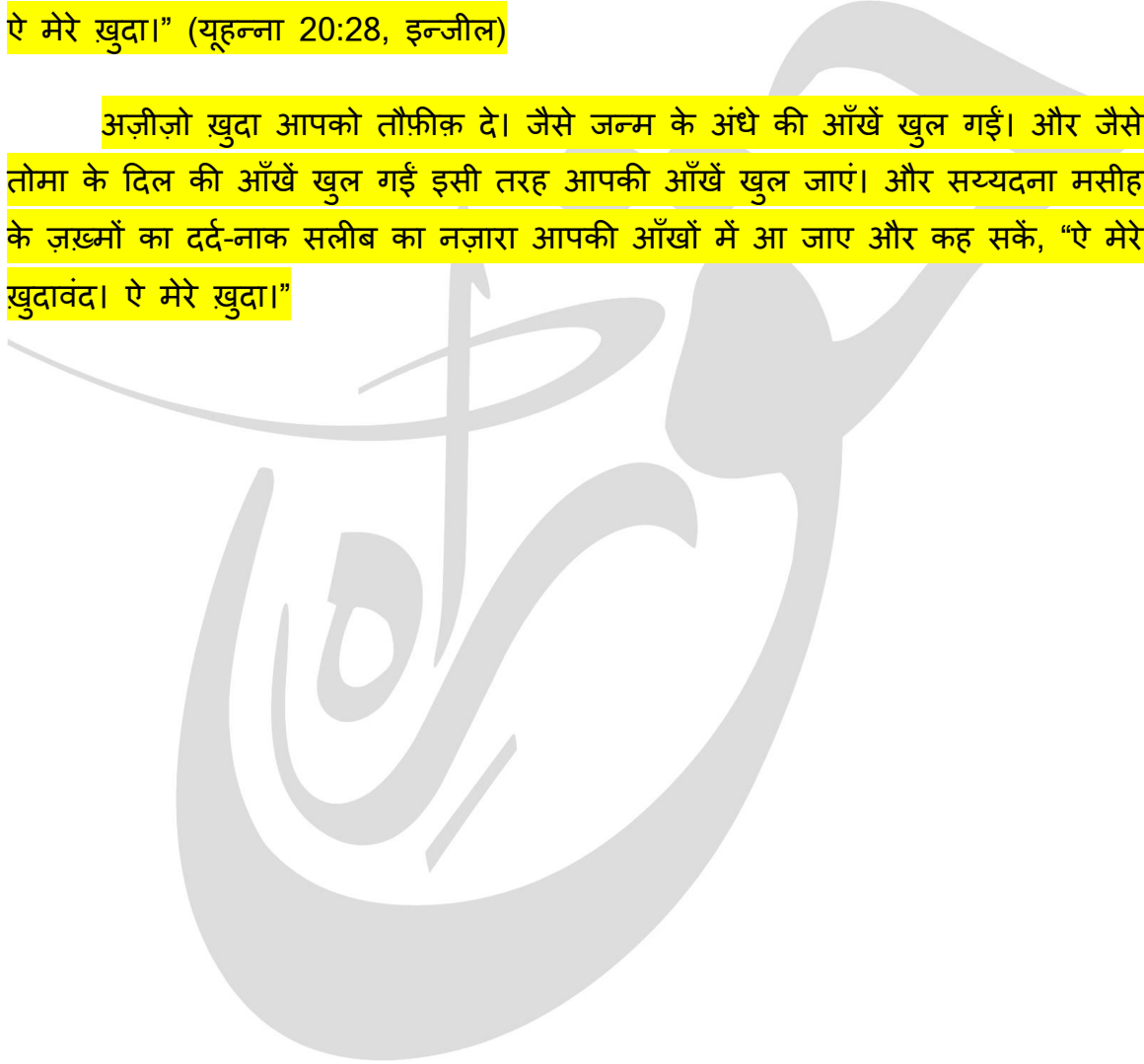
## तोमा की आँखें इस बड़े भेद को ना पहचान सकीं।

जब सय्यदना मसीह ने जन्म के अंधे की आँखें खोलीं। तो उसने गवाही दी और कहा। एक बात मैं जानता हूँ। कि मैं अंधा था। अब बीना हूँ। (यूहन्ना 9:25, इन्जील) अंधा जो बीना हो गया था। उसने ये भी कहा। कि “ऐसी बड़ी बात दुनिया के शुरू से कभी नहीं हुई थी।” (यूहन्ना 9:32, इन्जील) जब उस की आँखें खुल गईं। तो उस पर भेद खुल गया। कि इन्सान की हालत में खुदा की सूरत है। “और सज्दा किया।” (यूहन्ना 9:38, इन्जील)

इसी तरह जब तोमा ने एक अजीब नज़ारा देखा। कि बंद दरवाज़ों की हालत में भी ये कमरे में आ गया। और साथ सय्यदना मसीह ने अपनी सलीबी ज़र्ब भी उस को दिखाई। तो उस की बंद आँखें भी खुल गईं। और मालूम किया। कि ये सिर्फ़ सय्यदना मसीह ही नहीं। सिर्फ़ मसीह ही नहीं। बल्कि खुदा है।

चुनान्चे लिखा है “तोमा ने जवाब में उस (सय्यदना मसीह) से कहा ऐ मेरे खुदावंद। ऐ मेरे खुदा।” (यूहन्ना 20:28, इन्जील)

अज़ीज़ो खुदा आपको तौफ़ीक़ दे। जैसे जन्म के अंधे की आँखें खुल गईं। और जैसे तोमा के दिल की आँखें खुल गईं इसी तरह आपकी आँखें खुल जाएं। और सय्यदना मसीह के ज़ख्मों का दर्द-नाक सलीब का नज़ारा आपकी आँखों में आ जाए और कह सकें, “ऐ मेरे खुदावंद। ऐ मेरे खुदा।”



## बाब चहारुम

# दीगर पेशीन गोईयाँ और मसीह की उलूहियत

(जिस्म में) मसीह से 712 साल पेशतर की पेशीनगोई (अम्बिया के सहीफे) “ब्याबान में मुनादी करने वाले की आवाज़। तुम खुदावंद की राह तैयार करो। सहारा में हमारे खुदा के लिए एक सीधी शाहराह तैयार करो।” (यसअयाह 40:3, अम्बिया के सहीफे)

## यूहन्ना नबी के हक़ में पूरी हुई

“ब्याबान में मुनादी करने वाला।” ये (यूहन्ना) बपतिस्मा देने वाला वही है। जिस का जिक्र यसअयाह नबी की मार्फत यूं हुआ। कि “ब्याबान में पुकारने वाले की आवाज़ आती है। खुदावंद की राह तैयार करो। उस के (खुदा के) रास्ते सीधे बनाओ।” (मत्ती 3:3 इन्जील)

मसीह के हक़ में पूरी हुई। (1) खुदावंद की राह (2) हमारे खुदा के लिए

दूसरे दिन उसने (यूहन्ना ने) येसू को अपनी तरफ़ आते देख कर कहा (इल्हाम) “ये खुदा का बर्षा है। जो दुनिया का गुनाह उठा ले जाता। ये वही है। यसअयाह नबी की पेशीनगोई वाला जिसकी बाबत मैंने कहा था एक शख्स मेरे बाद आता है। जो मुझसे मुकद्दम ठहरा।” क्योंकि वो मुझसे पहले था।” (यूहन्ना 1:29 ता 30 इन्जील)

जिस्म के लिहाज़ से तो यूहन्ना सय्यदना मसीह से पहले पैदा हुआ। और जिस्म के लिहाज़ से बड़ा है। लूका की इन्जील के पहले और दूसरे बाब में यूहन्ना की पैदाइश और सय्यदना मसीह के मुजस्सम होने की हालत कुँवारी मर्यम से साफ़ तौर पर दी हुई है।

यूहन्ना बावजूद जिस्म में सय्यदना मसीह के बड़ा होने के (पैदाइश के लिहाज़ से) सय्यदना मसीह के हक़ में कहता है, कि “मसीह मुझसे मुकद्दम ठहरा। क्योंकि वो मुझसे पहले था।” जिस तरह यूहन्ना ने जिस्म की हालत का खयाल ना रखते हुए रूह-उल-कुद्स

की मार्फत ये दर्याफ्त की और गवाही दी। क्योंकि वो मुझसे पहले था। इसी तरह हम भी मसीह को “जिस्म की हैसियत से ना पहचानेंगे।” (1 कुरिन्थियों 1:16, इन्जील)

यसअयाह नबी की पेशीनगोई मसीह के हक में पूरी हुई। जिसमें लिखा है। (1) खुदावंद की राह (2) हमारे खुदा के लिए।

और दोनों हालतें मसीह के हक में पूरी हुईं। क्योंकि यूहन्ना ने सय्यदना मसीह ही के लिए राह तैयार किया। जिसे पैशन गोई में खुदा कहा गया है।

## मसीह सभी के ऊपर खुदा है

ज़बूर का नविश्ता :-

“क्योंकि ऐ खुदावंद तू सारी ज़मीन पर बाला है। और सारे माबूदों से सर-बुलंद है।” (ज़बूर 9:9)

मसीह के हक में पूरा हुआ।

“जो ऊपर से आता है। वो सब से ऊपर है। और वो जो ज़मीन से है। वो ज़मीन ही की कहता है। जो (सय्यदना मसीह) आस्मान से आता है। वो सबसे ऊपर है।” (यूहन्ना 3 31, इन्जील)

और फिर लिखा है :-

“क्रौम के बुजुर्ग उन्हीं (यहूदियों) के हुए हैं। और जिस्म की रु से मसीह भी उन्हीं में से हुआ। सब के ऊपर अबद तक खुदा ए महमूद है।” (रोमियों 9:5, इन्जील)

वही पौलूस रसूल जिसने कहा “हाँ अगरचे मसीह को भी जिस्म की हैसियत से जाना था। मगर अब नहीं जानेंगे।” यहां पर खुद भी इस बात पर अमल करता है। और गो जिस्म की रु से मसीह यहूदियों में से है। तो भी पौलूस रसूल उस के जिस्म की हैसियत में आने से ठोकर नहीं खाता और कहता है :-

**“जो सब के ऊपर खुदा-ए-महमूद है।”**

अगर आप मसीह के मुजस्सम होने की वजह से इस भेद को समझने से ठोकर खाते हैं। और उस की उलूहियत का भेद नहीं समझ सकते तो पौलूस रसूल का अमली नमूना लेकर इस आयत को याद करो। कि “हम मसीह को अब से जिस्म की हैसियत से नहीं पहचानेंगे।” अगर आप सच्चे दिल से ईमान लाएं। तो रूह-उल-कुद्स खुद आपके दिल को खोल देगा। काश कि आप भी ये दिल से कह सकें :-

“जो सब के ऊपर अबद तक खुदा-ए-महमूद है।”

## मसीह चौपान या चरवाहे की हैसियत में खुदा

चौपान, गडरिया, शहबान, गल्लाबान, चरवाहा

(जिस्म में) मसीह से तकरीबन 711 साल पेशतर की पेशीनगोई “देखो खुदावंद खुदा ज़बरदस्ती के साथ आएगा। और उस का बाजू अपने लिए सलतनत करेगा इस का सिला उस के साथ है और इस का अज़्र उस के आगे वो (खुदावंद खुदा) चौपान की मानिंद गल्ला चराएगा।” (यसअयाह 40:10 ता 11, अम्बिया के सहीफे)

सय्यदना मसीह के हक में पूरी हुई।

सय्यदना मसीह ने उन से फिर कहा (यूहन्ना 10:7, इन्जील)

(1) “अच्छा चरवाहा मैं हूँ, अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान देता है।” (यूहन्ना 10:11 इन्जील)

(2) “भेड़ों के बड़े चरवाहे यानी हमारे सय्यदना मसीह।” (इब्रानियों 13:20, इन्जील)

(3) “और जब सरदार गल्लाबान (सय्यदना मसीह) ज़ाहिर होगा तो तुमको जलाल का ऐसा सेहरा मिलेगा। जो मुर्झाने का नहीं।” (1 पतरस 5:4 इन्जील)

यसअयाह नबी की पेशीनगोई में लिखा है। “देखो खुदावंद खुदा आएगा। वो चौपान की तरह गल्ला चराएगा।”

तो ऊपर वाली हर सह हालतें मसीह को चौपान साबित करती हैं।



इसलिए सय्यदना मसीह चौपान की हैसियत में पेशीनगोई के मुताबिक़ खुदावंद खुदा है।

## सय्यदना मसीह बादशाहों का बादशाह और खुदावंदों का खुदावंद

ज़बूर का नविश्ता :-

“उस का जो इलाहों का खुदा है। शुक्र करो। उस की रहमत अबदी है। उसी का शुक्र करो। जो खुदावन्दों का खुदावंद है, कि उस की रहमत अबदी है।” (ज़बूर 136:2 ता 3)

(2) (जिस्म में) मसीह से 1451 साल पेशतर का नविश्ता (तौरैत मूसा की पांचवीं किताब) कि “खुदावंद तुम्हारा खुदा वही खुदाओं का खुदा है। और खुदावन्दों का खुदावंद।” (इस्तशना 10:17, तौरैत)

(3) (जिस्म में) मसीह से 603 साल पेशतर का नविश्ता “बादशाह ने दानीएल नबी से कहा, कि “हकीकत में तेरा खुदा इलाहों का इलाह और बादशाहों का खुदावंद है।” (दानीएल 2:47, अम्बिया के सहीफे)

तीनों नविश्ते सय्यदना मसीह के हक़ में पूरे हुए।

“उस का नाम कलाम-ए-खुदा कहलाता है। ..... उस की पोशाक और रान पर ये नाम लिखा हुआ है :-

“बादशाहों का बादशाह और खुदावन्दों का खुदावंद।” (मुकाशफ़ा 19:13, 16 इन्जील)

फिर लिखा है “और बर्दा उन पर ग़ालिब आएगा। क्योंकि वो खुदावन्दों का खुदावंद और बादशाहों का बादशाह है।” (मुकाशफ़ा 17:14, इन्जील) और वो बर्दा सय्यदना मिसी है। चुनान्चे लिखा है :-

(यूहन्ना नबी) उसने सय्यदना मसीह पर, जो जा रहा था। निगाह करके कहा, ये खुदा का बर्दा है।” (यूहन्ना 1:26 इन्जील)

तो मालूम हुआ कि बरी सय्यदना मसीह का नाम है। अब यूं पढ़ें और सय्यदना मसीह उन पर ग़ालिब आएगा। क्योंकि वो खुदावन्दों का खुदावंद और बादशाहों का बादशाह है। पस तमाम नविशतों से मालूम हुआ कि मसीह इलाहों का खुदा और खुदावन्दों का खुदावंद है।



## बाब पंजुम

### सय्यदना मसीह की शान और जलाल

यसअयाह नबी का नविश्ता (अम्बिया के सहीफे) (जिस्म में) मसीह से 712 साल पेशतर :-

“खुदावंद इस्राईल का बादशाह और उस का नजात देने वाला रब-उल-अफ़वाज फ़रमाता है कि मैं अक्वल व आखिर हूँ और मेरे सिवा कोई खुदा नहीं।” (यसअयाह 44:6, अम्बिया के सहीफे)

हमने मालूम किया कि इसी एक आयत में खुदा के लिए छः (6) मुख्तलिफ़ नाम आए हैं। क्योंकि सब नाम सिर्फ एक ही खुदा के लिए इस्तिमाल हुए हैं। और बावजूद छः (6) मुख्तलिफ़ नामों के लिए खुदा एक ही रहा। इसी आयत में ये भी साफ़ ज़ाहिर है, कि अगर हम इन छः नामों में से कोई सा नाम पुकारें तो इस का मतलब खुदा है।”

(1) खुदावंद..... खुदा है। (2) इस्राईल का बादशाह खुदा है। (3) नजात देने वाला खुदा है। (4) रब-उल-अफ़वाज खुदा है। (5) अक्वल व आखिर खुदा है।

हर एक नाम सय्यदना मसीह के हक़ में पूरा हुआ।

(1) खुदावंद “अगर तू अपनी ज़बान से सय्यदना मसीह के खुदावंद होने का इकरार करे और अपने दिल से ईमान लाए। कि खुदा ने उसे मुर्दों में से जिलाया। तो नजात पाएगा।” (रोमियों 10:9, इन्जील) खुदावंद येसू मसीह। (2 कुरिन्थियों 1:2, 2 कुरिन्थियों 1:3, इन्जील)

(तमाम कलाम ही मसीह के खुदावंद होने को साबित करता है। और ये चंद हवाले पेश किए गए हैं।)

(2) इस्राईल का बादशाह। और पिलातूस ने एक किताबा लिख कर सलीब पर लगा दिया। उस में ये लिखा हुआ था। येसू नासरी यहूदियों (इस्राईल) का बादशाह।”

इस किताबा को बहुत से यहूदियों ने पढ़ा। इसलिए कि वो मुक़ाम जहां सय्यदना मसीह सलीब दीए गए थे। शहर के नज़दीक था। और वो इब्रानी और यूनानी और लातीनी में लिखा हुआ था। पस यहूदियों के सरदार काहिनों ने पिलातूस से कहा। कि यहूदियों का बादशाह ना लिख बल्कि ये लिख कि उसने कहा (येसू ने) :-

“मैं यहूदियों (इस्राईल) का बादशाह हूँ।”

पिलातूस ने जवाब दिया कि “मैंने जो लिख दिया वो लिख दिया।” पूरा हुआ (यूहन्ना 11:19 ता 22, इन्जील)

(3) मुंजी याने नजात देने वाला। “मगर फ़रिश्ते ने उनसे कहा। डरो नहीं। क्योंकि मैं तुम्हें बड़ी खुशी की बशारत देता हूँ। जो सारी उम्मत के वास्ते होगी। कि आज दाऊद के शहर में तुम्हारे लिए एक मुंजी पैदा हुआ यानी मसीह खुदावंद।” (लूका 2:11, इन्जील)

येसू का मतलब, नजात देने वाला।

## जिब्राईल फ़रिश्ते की गवाही

“वो बेटा जनेगी। तू उस का नाम येसू रखना। क्योंकि वही अपने लोगों को उनके गुनाहों से नजात देगा।” (मती 1:21, इन्जील) मुकाबला करो। “ऐ इस्राईल खुदावंद पर तवक्कुल कर। कि रहमत खुदावंद के पास है। उस के पास कसत से मखलिसी है। और वही इस्राईल को उस की सारी बदकारी से रिहाई देगा।” (ज़बूर 130:7 ता 8)

## सय्यदना मसीह के सिवा किसी दूसरे से नजात (मुक्ती) नहीं।

“और किसी दूसरे के वसीले से नजात नहीं। क्योंकि आस्मान के तले आदमियों को कोई दूसरा नाम नहीं बख़शा गया। कि जिसके वसीले से हम नजात पा सकें।” (आमाल 4:12, इन्जील)

(4) रब-उल-अफ़वाज। (जिस्म में) मसीह से 758 साल पेशतर का नविश्ता (यसअयाह नबी) “जिस बरस कि उज़्ज़ियाह बादशाह मर गया। जिस (यसअयाह नबी) ने खुदावंद को बड़ी बुलंदी पर ऊंचे तख़्त के ऊपर बैठे देखा।..... और उस के पास सराफ़ीम खड़े थे।.....

और एक ने दूसरे को पुकारा। और कहा, कुददूस कुददूस रब-उल-अफ़्वाज है।” (यसअयाह 6:1 ता 3, अम्बिया के सहीफे)

सय्यदना मसीह के हक़ में पूरा हुआ।

“येसू ये बातें कह कर चला गया। और अपने आपको छुपाया और अगरचे उसने उनके सामने बहुत से मोअजिज़े दिखाए। तो भी वह उस पर ईमान ना लाए। ताकि यसअयाह नबी का कलाम पूरा हुआ।..... यसअयाह ने ये बातें इसलिए कहीं कि उस का (सय्यदना मसीह) का जलाल देखा। और उसने उस के बारे में कलाम किया।” (यूहन्ना 12:36 ता 41, इन्जील) तो यसअयाह ने खुदावंद को बड़ी बुलंदी पर ऊंचे तख़्त पर बैठे देखा और यूहन्ना की गवाही और इस हवाले का इशारा सय्यदना मसीह की तारिफ़ है। तो साफ़ मालूम हुआ। कि यसअयाह नबी ने सय्यदना मसीह ही का जलाल देखा। और सराफ़ीम से पुकारा और कहा :-

“कुददूस, कुददूस, कुददूस रब-उल-अफ़्वाज है।”

## पतरस की गवाही

सय्यदना मसीह का नाम कुददूस। “तुमने उस कुददूस और रास्तबाज़ का इन्कार किया। और दरख्वास्त की कि एक खूनी तुम्हारी खातिर छोड़ा जाये।” (आमाल 3:14, इन्जील)

ये खूनी एक डाकू था। जिसका नाम बरअबा था। और यहूदी ईद के वक़्त चोर या डाकू को छोड़ देते थे। जब पिलातूस ने येसू में कोई जुर्म ना पाया। तो चाहा कि उसे छोड़ दिया जाये। इसलिए उसने यहूदियों को कहा। जैसा तुम्हारी रस्म है येसू को छोड़ दिया जाये। इसलिए उसने छोड़ देना चाहा क्योंकि वो जानता था कि इस में कोई ऐब नहीं है और किसी ना किसी तरह उसे बरी किया जाये। लेकिन यहूदियों ने कहा बरअबा डाकू को छोड़ दिया जाये। और येसू मसीह को सलीब दिया जाये। हाँ ये इसलिए हुआ कि तमाम नविशते पूरे हों।

और यहां पतरस ने अपनी गवाही में सय्यदना मसीह को कुद्दूस कहा। और यसअयाह नबी की किताब में लफ़ज़ कुद्दूस, रब-उल-अफ़वाज के लिए आया है। पस मसीह रब-उल-अफ़वाज है।

“एक घोड़ा है और उस पर एक सवार है। जो सच्चा और बरहक कहलाता है।... उस का नाम कलाम-ए-खुदा है।” (येसू मसीह) (मुकाशफ़ा 19:11 ता 13 इन्जील)

“फिर मैंने उस हैवान और ज़मीन के बादशाहों और उनकी फ़ौजों को शैतान की फ़ौजें उस घोड़े के सवार और उस की फ़ौज से जंग करने के लिए इकट्ठा देखा।” (मुकाशफ़ा 19:19, इन्जील)

कलाम-ए-खुदा सय्यदना मसीह का नाम है। जो सफ़ैद घोड़े पर सवार है। और उस की फ़ौज को यानी येसू की फ़ौज को शैतान की फ़ौजों से जंग करने के लिए इकट्ठा देखा तो मालूम हुआ कि येसू मसीह रब-उल-अफ़वाज है।

लशक़रों का खुदावंद। (ज़बूर 24:10) खुदावंद येसू मसीह “जो जंग में ज़ोर-आवर है।” (ज़बूर 24:8)

अव्वल व आख़िर। “मैं अव्वल व आख़िर और ज़िंदा हूँ। मैं मर गया था (खुदावंद येसू मसीह) और देख अबद-उल-आबाद ज़िंदा रहूँगा। और मौत और आलम-ए-अर्वाह की कुंजियाँ मेरे पास हैं।” (मुकाशफ़ा 1:17 ता 18, इन्जील) हॉ जो सलीब पर मर गया। और तीसरे दिन ज़िंदा हुआ। वो खुदावंद येसू मसीह है। और खुदावंद येसू मसीह का नाम अव्वल व आख़िर है।

“देख मैं जल्द आने वाला हूँ।..... मैं अल्फ़ा और ओमेगा अव्वल व आख़िर इब्तिदा और इंतिहा हूँ।” (मुकाशफ़ा 22:12 ता 13, इन्जील)

आने वाला खुदावंद येसू मसीह है। और उस की दूसरी आमद को ज़ाहिर करता है। और आने वाले खुदावंद येसू का नाम अव्वल व आख़िर है।

तो मालूम और साबित हुआ। कि (1) खुदावंद, (2) इस्राईल का बादशाह (3) नजात देने वाला। (4) रब-उल-अफ़वाज। (5) अव्वल व आख़िर इन्जील में येसू मसीह के हक़ में

साफ़ तौर पर पूरे हुए। और इन तमाम नामों की वजह से येसू मसीह यसअयाह नबी के नविशते के मुताबिक़ खुदा है।

क्या आप खुदावंद येसू मसीह को अपना नजातदिहंदा दिल से मानते हैं?

चुनान्चे लिखा है। “पस उन्होंने शौक से कलाम कुबूल किया। और उनमें से बहुतेरे ईमान लाए।” (इन्जील, आमाल 17:11 ता 12)

## क्रादिर-ए-मुतलक़

(जिस्म में) मसीह से तकरीबन 1898 साल पेशतर का नविशता

“जब अब्राम (जिसको खुदावंद ने बाद में इब्राहिम कहा) निनान्वें बरस का हुआ। तब खुदावंद अब्राम को नज़र आया। और उसने कहा कि मैं खुदा-ए-क्रादिर हूँ।” (पैदाइश 17:1, तौरैत, मूसा की पहली किताब)

येसू मसीह के हक़ में पूरा।

(येसू के अल्फ़ाज़) “तुम्हारा बाप अब्राहाम मेरे दिन देखने की उम्मीद पर था। उसने देखा और खुश हुआ।”

(अंधे यहूदी) यहूदियों ने उस से कहा। कि तेरी उम्र तो अभी पचास (50) बरस की नहीं। फिर तू ने अब्राहाम को देखा? येसू ने उनसे कहा। “मैं तुमसे सच्य कहता हूँ। पेशतर इस से कि अब्राहाम पैदा हुआ मैं हूँ।” (यूहन्ना 8:56 ता 58, इन्जील)

मुजस्सम होने की हालत में खुदावंद येसू मसीह की उम्र 33 बरस की हुई। तो मैंने पहले भी लिखा। कि जो जिस्म का खयाल करते रहे और करते रहते हैं ज़रूर ठोकर खाएँगे।

क्या “पेशतर इस के कि इब्राहिम पैदा हुआ मैं हूँ।” मसीह की उम्र 33 साल बताता है?

इस के ताल्लुक़ में चंद और हवालेजात पेश करता हूँ :-

(1) जिस्म की हालत में दुआ "और अब ऐ बाप! तू इस जलाल से जो मैं दुनिया से पेशतर तेरे साथ रखता था।..." (यूहन्ना 17:15, इन्जील)

(2) वही दुआ। "क्योंकि तूने बनाए आलम के पेशतर मुझसे मुहब्बत रखी।" (यूहन्ना 17:24, इन्जील)

(3) "जिनके नाम इस बर्रे (खुदावंद येसू मसीह का नाम) की किताब में लिखे नहीं गए। "जो बनाए आलम के वक़्त से ज़ब्द हुआ है।" (मुकाशफ़ा 13:18, इन्जील) क्या ये हवाले मसीह की 33 साल की उम्र बताते हैं?

इसलिए अजीजो मसीह को जिस्म की हैसियत में ना पहचानें। पौलूस रसूल कहता है, कि मसीह की जिस्म की हालत को "अब से नहीं जानेंगे।" (2 कुरिन्थियों 5:16, इन्जील)

इस बयान में येसू मसीह ने यहूदियों पर ज़ाहिर किया। कि वह इब्राहिम से भी पहले है। खासकर लफ़ज़ हूँ इस मतलब को बिल्कुल साफ़ कर देता है। अब खुदावंद येसू मसीह के मुजस्सम होने से 1899 साल पेशतर लिखा हुआ नविश्ता पढ़ा और यह कह इब्राहिम की उम्र उस वक़्त (\*) बरस की थी। मगर खुदावंद येसू मसीह इतने लंबे अर्से के बाद भी अपने मुताल्लिक यूँ कहता है, कि पेशतर इस के कि अब्रहाम पैदा हुआ मैं हूँ और इतनी उम्र एक मिट्टी के इन्सान की नहीं हो सकती बल्कि सिर्फ़ खुदा ही की हो सकती है। पस येसू बनाए आलम से पेशतर जलाली खुदा है।

(जिस्म में) मसीह से करीबन 740 साल पेशतर का नविश्ता (अम्बिया के सहीफ़े) "कि हमारे लिए एक लड़का तवल्लुद हुआ और हमको एक बेटा बख़शा गया। और सलतनत उस के कांधे पर होगी। और वो इस नाम से कहलाता है। अजीब, मुशीर खुदा-ए-कादिर, अबदियत का बाप, सलामती का शहज़ादा।" (यसअयाह 9:6, अम्बिया के सहीफ़े)

ये खुदावंद येसू मसीह के मुजस्सम होने की पेशीनगोई है। लेकिन वाज़ेह हो। कि मुजस्सम होने से पेशतर भी खुदावंद येसू मसीह इस नाम से कहलाता है। यानी जब यसअयाह नबी को इल्हाम हुआ तो उस वक़्त भी वो मुजस्सम होने वाला इस नाम से कहलाता है यानी खुदा-ए-कादिर।



इस लिए अंधे यहूदियों की तरह आप भी ऐसी ग़लती ना करें कि तेरी उम्र तो अभी पचास (50) बरस की नहीं।

पेशीनगोई में खुदावंद येसू मसीह के हक़ में कहा गया। कि एक लड़का तवल्लुद हुआ। और हम को एक बेटा बख़शा गया। जो खुदा-ए-कादिर के नाम से कहलाता है। 1898 साल मसीह के मुजस्सम होने से पहले के नविशते में खुदावंद अब्रहाम पर जाहिर हुआ। और कहा। कि मैं खुदा-ए-कादिर हूँ। जो यसअयाह नबी की पेशीनगोई में साफ़ तौर से येसू मसीह के हक़ में पूरा हुआ। यानी वो लड़का येसू जो मुजस्सम हुआ खुदा-ए-कादिर है।

## आने वाला येसू मसीह जिसे उन्होंने छेदा कादिर-ए-मुतलक़ है

“देखो वो (मसीह येसू) बादलों के साथ आने वाला है। और हर एक आँख उसे देखेगी। और जिन्होंने उसे (येसू मसीह) को छेदा था। वो भी उसे देखेंगे।” (मुकाशफ़ा 1:7, इन्जील)

“खुदावंद खुदा जो है और जो था और जो आने वाला है।” यानी कादिर-ए-मुतलक़ फ़रमाता है, कि “मैं अल्फ़ा और ओमेगा हूँ।” (मुकाशफ़ा 1:8 इन्जील)

मुकाशफ़ा 1:7 में बादलों के साथ कौन आने वाला है?

“बादलों पर येसू मसीह राजा जल्दी आता है।”

यानी वो जल्द आने वाला है। जिसे उन्होंने छेदा था।

(जिस्म में) मसीह से 487 साल पेशतर की पेशीनगोई। (अम्बिया के सहीफ़े)

“और वो मुझ पर जिसे उन्होंने छेदा है। नज़र करेंगे।” (ज़करिया 12:10 अम्बिया के सहीफ़े)

पूरी हुई।

“मगर उनमें से एक सिपाही ने भाले से उस (येसू मसीह) की पिसली छेदी।” (यूहन्ना 19:34, इन्जील)

मालूम हुआ और साबित हुआ कि जिसे उन्होंने छेदा वो मसीह येसू हैं। और वही आने वाला है।” (मुकाशफा 1:8, इन्जील)

फिर पढ़ें :-

खुदावंद खुदा जो है और जो था और “जो आने वाला है।” यानी कादिर-ए-मुतलक पस साफ तौर से मालूम हुआ। कि आने वाले खुदावंद येसू मसीह का नाम कादिर-ए-मुतलक है।

ऐ खुदावंद येसू आ (मुकाशफा 22:20, इन्जील)

## मसीह (कलाम) अबदी खुदा और खालिक

जब हम लफ़्ज़ “खालिक” इस्तिमाल करते हैं। तो समझते हैं, कि हम उसे खुदा ही के लिए इस्तिमाल करते हैं। क्योंकि उस में सारी चीज़ें पैदा की गईं। आस्मान की हों या ज़मीन की। देखी हों या अनदेखी तख़्त हों या रियासतें या इख्तियारात सारी चीज़ें उसी के वसीले से और उसी के वास्ते पैदा हुई हैं। वो सब चीज़ों से पहले है। और उसी में सब चीज़ें कायम रहती हैं।” (कुलस्सियॉ 1:16 ता 17, इन्जील)

“सारी चीज़ें उसी के वसीले से (पहली आयत में कलाम यानी कलमा) पैदा हुईं। और जो पैदा हुआ। कोई भी उस के बगैर पैदा ना हुआ।” (यूहन्ना 1:3, इन्जील)

यूहन्ना पहला बाब पढ़ने से मालूम होगा। कि सारा ही बाब खुदावंद येसू मसीह के मुताल्लिक है। दुनिया को पैदा करने वाला खुदा है। जो यहां कलाम यानी खुदावंद येसू मसीह को साबित करता है पस खुदावंद येसू मसीह कलाम या कलमा है। कलाम की हैसियत में मुन्दरिजा बाला आयत के बमूजब खालिक और खालिक की हैसियत से खुदा है।

ज़बूर का नविश्ता :-

(ज़बूर नवीस) “मैंने कहा “ऐ मेरे खुदा आधी उम्र में मुझे ना उठाले। तेरे बरस पुश्त दर पुश्त हैं। तूने क़दीम से ज़मीन की बिना डाली। आस्मान भी तेरे हाथ की सनअतें हैं।

वो नेस्त हो जाएंगे। पर तू बाकी रहेगा। हाँ वो सब पोशाक की मानिंद पुराने हो जाएंगे। तू उन्हें लिबास की मानिंद बदलेगा। और वो मुबद्दल होंगे पर तू वही है। और तेरे बरसों की इतिहा ना होगी।” (ज़बूर 102:23 ता 27)

यहां पर ज़बूर नवीस खुदा से मुखातिब है और कहता है :-

“ऐ मेरे खुदा। तू ही ने आस्मान और ज़मीन को पैदा किया।” और आस्मान और ज़मीन और उनकी तमाम चीज़ों को पैदा करने की वजह से हम खुदा को खालिक कहते हैं।

## येसू मसीह का नाम “बेटा”

पुराने और नए अहदनामे में येसू मसीह का नाम बेटा भी है और वाज़ेह हो कि बेटा जिस्मानी तौर पर नहीं कहा गया। बल्कि रुहानी मअनी में खुदा की मुहब्बत का सबूत है।

**खुदा की गवाही :-**

“और येसू बपतिस्मा लेकर फ़ील-फ़ौर पानी के पास से ऊपर गया। और देखो उस के लिए आस्मान खुल गया। और उस ने खुदा के रुह को कबूतर की मानिंद उतरते और अपने ऊपर आते देखा। और आस्मान से आवाज़ आई। कि ये मेरा प्यारा बेटा है।” (मती 3:16 ता 17, इन्जील)

**जिब्राईल फ़रिश्ते की गवाही, बेटा कहलाने की वजह :-**

“और फ़रिश्ते ने जवाब में उस से कहा। कि रुह-उल-कुद्स तुझ पर नाज़िल होगा और खुदा तआला की कुद्रत तुझ पर साया करेगी। और इस सबब से वो पाकीज़ा जो पैदा होने वाला है। खुदा का बेटा कहलाएगा।” (लूका 1:25, इन्जील)

**दाऊद का इल्हाम :-**

“खुदावंद ने मेरे हक़ में फ़रमाया। कि तू मेरा बेटा है।” (ज़बूर 2 7) “बेटे को चूमो।” (ज़बूर 2:12)

**याफ़ा के बेटे अज़ूर का इल्हामी कलाम :-**

(जिस्म में) मसीह से 700 साल पेशतर “कौन आस्मान पर चढ़ता और उस पर से उतरता, किस ने हवा को अपनी मुट्ठी में जमा कर लिया? किस ने पानियों को चादर में बाँधा? किस ने ज़मीन की सारी हड्डें ठहराई? अगर तू बता सकता है। तो बतला। कि उस का क्या नाम है और उस के बेटे का नाम क्या है?” (अम्साल 30:4 अम्बिया के सहीफ़े)

(जिस्म में) मसीह से 580 साल पेशतर का नविश्ता (अम्बिया के सहीफ़े) नबूकदनज़र बादशाह ने एक अजीब नज़ारा देखा। आग की भट्ठी में तीन शख्स डाले गए और चार हो गए। “और चौथे की सूरत खुदा के बेटे की सी है।” (दानीएल 3:25)

**खुदावंद येसू की अपनी गवाही :-**

“येसू ने सुना। कि उन्होंने उसे बाहर निकाल दिया। और जब उस से मिला। तो कहा। क्या तू खुदा के बेटे पर ईमान लाता है।” (यूहन्ना 9:35, इन्जील)

**शमऊन पतरस रसूल की गवाही :-**

“शमऊन पतरस रसूल ने जवाब में कहा। तू ज़िंदा खुदा का बेटा मसीह है।” (मत्ती 16:16, इन्जील)

पुराने और नए अहद नामे में और भी बहुत से हवालेजात हैं। जो येसू को बेटे के नाम से पुकारते हैं।

येसू के “बेटे” होने को इसलिए बताया गया है, कि ज़बूर का ऊपर बयान किया हुआ नविश्ता बेटे के हक में पूरा हुआ है।

पूरा हुआ।

“मगर बेटे की बाबत कहता है। ऐ खुदा तेरा तख्त अबद-उल-आबाद रहेगा।” (इब्रानियों 1:8, इन्जील)

हमने मालूम किया। कि बेटा येसू के हक में कहा गया है और यहां बेटे को कहा जाता है :-

### ऐ खुदा

फिर इब्रानियों पहला बाब इन्जील पढ़ने से मालूम होगा। कि तमाम बाब खुदावंद येसू मसीह की उलूहियत के बारे में है।

आगे चल कर बेटे की बाबत यूँ कहता है। “और यह कि ऐ खुदावंद (बेटे की बाबत) तूने इब्तिदा में ज़मीन की न्यू डाली और आस्मान तेरे हाथ की कारीगरियाँ हैं। वो नेस्त हो जाएंगे। मगर तू बाक़ी रहेगा। और वो पोशाक की मानिंद पुराने हो जाएंगे। तू उन्हें चादर की तरह लिपटेगा। और वो पोशाक की तरह बदल जाएंगे। मगर तू वही है। और तेरे बरस खत्म ना होंगे।” (इब्रानियों 1:10 ता 12 इन्जील)

तो मालूम हुआ। कि ज़बूर 102 का नविश्ता जो खुदावंद येसू मसीह के मुजस्सम होने से कई साल पेशतर लिखा गया। बेटे यानी खुदावंद येसू मसीह के हक में पूरा हुआ।

ज़बूर और इन्जील के दोनों जगहों के हवालों के पढ़ने से मालूम हुआ। कि वो बेटे को साबित करता है। और आस्मान और ज़मीन को पैदा करने के सबब से खालिक। और खालिक की हैसियत से इन्जील और ज़बूर के नविश्ते के मुताबिक़ खुदा है।

“मगर जिसने सब चीज़ें बनाई वो खुदा है।” (इब्रानियों 3:4, इन्जील)

### इम्मानुएल

(जिस्म में) मसीह से 742 साल पेशतर की पेशीनगोई :-

“बावजूद इस के खुदावंद आप तुमको (बनी-इस्राईल) एक निशान देगा। देखो एक कुँवारी हामिला होगी। और बेटा जनेगी। और उस का नाम इम्मानुएल रखेंगे।” (यसअयाह 7:14, अम्बिया के सहीफ़े)

(जिब्राईल फ़रिश्ते ने कहा) “वो बेटा जनेगी और तू उस का नाम येसू रखना। क्योंकि वही अपने लोगों को उनके गुनाहों से नजात देगा। ये सब कुछ इसलिए हुआ। कि जो खुदावंद ने नबी की माफ़त कहा था। वो पूरा हुआ। देखो एक कुँवारी हामिला होगी। और बेटा जनेगी। और उसका नाम इम्मानुएल रखेंगे। जिसका तर्जुमा ये है। खुदा हमारे साथ।” (मती 1:21 ता 23 इन्जील)

पैशनगोई आखिरी आयत में पूरी हुई। जब तक आप येसू का भेद ना समझें। इम्मानुएल नाम की बाबत भी कुछ समझ नहीं सकते। इम्मानुएल येसू का नाम है। जिसका तर्जुमा खुदा हमारे साथ है। मगर खुदा गुनाहगारों के साथ नहीं हो सकता।

### खुदा “हमारे” साथ

इस “हमारे” से दुनिया के सब लोग मुराद नहीं। बल्कि ईमानदार लोग मुराद हैं। जिन्होंने ने पहले ईमान के ज़रीये येसू का मतलब समझा। जो यूँ है। नजात देने वाला। और फिर खुद इम्मानुएल का मतलब भी समझ आ गया। अब खुदा हमारे साथ है। गुनेहगार इन्सान को इम्मानुएल समझने के लिए पहले येसू के समझने की ज़रूरत है।

### چہ نسبت خاک رابہ عالم پاک

गुनाह आलूदा इन्सान का पाक खुदा के साथ क्या ताल्लुक हो सकता है। क्योंकि लिखा है। कि “पाक हो। इसलिए कि मैं पाक हूँ।” (1 पतरस 1:16, इन्जील)

और फिर लिखा है। “देखो खुदावंद का हाथ छोटा नहीं कि बचा ना सके। और उस का कान भारी नहीं कि सुन ना सके। बल्कि तुम्हारी बदकारियाँ तुम्हारे और तुम्हारे खुदा के दर्मियान जुदाई करती हैं।” (यसअयाह 59:1, अम्बिया के सहीफे) “खुदा गुनेहगारों की नहीं सुनता।” (यूहन्ना 9:31, इन्जील) खुदा के कान दुआ सुनने के लिए भारी नहीं। बल्कि गुनाह और बदकारी की वजह से से गुनेहगार इन्सान की खुदा से जुदाई है।

अज़ीज़ो क्या आप गुनाह की हालत में रहते हुए नाम इम्मानुएल को समझ सकते हैं? हरगिज़ नहीं। और लफ़ज़ इम्मानुएल का मतलब आपके हक़ में पूरा नहीं हो सकता। जब तक आप येसू को अपना नजातदिहंदा दिली ईमान से ना मानें। और जब तक गुनाहों

से नजात नहीं। खुदा आपके साथ नहीं हो सकता। और आपके और खुदा के दर्मियान येसू पर ईमान ना लाने की वजह से जुदाई है।

क्या जुदाई की हालत में कोई इन्सान कह सकता है। खुदा हमारे साथ है। हरगिज़ नहीं।

## ईमान से नजात और पाक तरीन हालत

“मगर तुम अपने पाक तरीन ईमान में..... हमेशा की ज़िंदगी के लिए हमारे खुदावंद येसू मसीह की रहमत के मुंतज़िर रहो।” (यहूदा 20 आयत, इन्जील)

मतलब ये कि येसू जिसका तर्जुमा नजातदिहंदा है। ईमान से हमेशा की ज़िंदगी में पहुंचा देता है।

येसू पर ईमान लाने ही से गुनाह की हालत दूर हो सकती है। और ईमान ही की हालत को पाक-तरीन कहा गया है। ईमान की पाकीज़ा हालत में पाक खुदा के साथ रिश्ता कायम हो सकता है।

کنند ہم جنس بہ ہم جنس پرواز

यानी पाक चीज़ का पाक चीज़ के साथ मेल। यानी खुदा पाक और पाक तरीन ईमान।

गो येसू और इम्मानुएल दोनो नाम खुदावंद येसू के लिए इस्तिमाल किए गए हैं। लेकिन दोनो नामों में एक ताल्लुक है। जब ईमान से येसू के पास इन्सान आए तो खुदा के नज़दीक उस ईमान की वजह से पाक हो जाता है। फिर येसू ने दूसरे नाम इम्मानुएल का मतलब भी समझ आ जाएगा। कि अब खुदा हमारे साथ है।

इम्मानुएल उसी को कहा गया है। जो कुँवारी मर्यम से पैदा हुआ यानी येसू।

और येसू पर ईमान रखते हुए। आप उसे सिर्फ इन्सान और नबी ही नहीं जानेंगे। बल्कि उस के साथ-साथ चलते हुए। आप खुद दर्याफ़्त कर लेंगे। कि आप नबी से भी बड़े यानी खुदा के साथ चल रहे हैं। क्योंकि लफ़ज़ इम्मानुएल ही येसू के खुदा होने को साबित

करता है। जब आपके साथ येसू हुआ। तो उस के दूसरे नाम इम्मानुएल से समझ लें। सिर्फ आदमी नहीं बल्कि खुदा हमारे साथ। बढई का बेटा (शरीअत की रु से) ही नहीं। बल्कि खुदा हमारे साथ।

मिसाल के तौर पर मेरा दोस्त अलिफ़ है। जब मैं उस के साथ चलता हूँ। और कोई मुझसे पूछे तो मैं कहूंगा। अलिफ़ मेरे साथ। इसी तरह खुदावंद येसू ने ईमानदार शागिर्दों को दोस्त कहा। इब्राहिम को खुदा ने दोस्त कहा। क्योंकि मैं खुदावंद येसू पर सच्चे दिल से ईमान ला चुका हूँ। और उस का शागिर्द हूँ। इसलिए शागिर्द होने से उस का दोस्त हूँ।

जब कोई मुझे खुदावंद येसू के साथ चलता हुए देखे। जैसे कि ईमान के ज़रीये मैं उस के साथ चल रहा हूँ और लोगों के पूछने पर मैं बता सकता हूँ। मेरे साथ कौन है। इम्मानुएल “खुदा हमारे साथ।”

इस खुदावंद येसू के नाम में तसल्ली है, कि सिर्फ इन्सान नहीं। बल्कि खुदा हमारे साथ है। होशाना जो खुदावंद के नाम पर आता है।

खुदावंद येसू हाथ फैला कर खड़ा है। और कहता है, कि गुनाह से दबे हुए लोगो में तुम्हें आराम यानी नजात दूंगा। क्या आप

आज ही उस पर ईमान लाते हैं? और यहूदियों और यूनानियों की एक बड़ी जमाअत ईमान ले आई। (आमाल 14:1, इन्जील)

## कलाम-ए-खुदा यानी कलिमतुल्लाह (كلمته الله)

(जिस्म में) मसीह से 4004 साल का पेशतर का नविशता :-

“इब्तिदा में खुदा ने आस्मान और ज़मीन को पैदा किया।” (पैदाइश 1:1, तौरैत)

पूरा हुआ।

“इब्तिदा में कलाम था। कलाम खुदा के साथ था। और कलाम खुदा था।” (यूहन्ना 1:1, इन्जील)



## कलाम या कलमे की तारीफ़

जो कुछ हम मुँह से बोलते हैं। उस को लफ़ज़ कहते हैं। बामाअनी और मुफ़रद लफ़ज़ को कलमा, (फ़ारसी ग्रामर पंजाब टेक्स्ट बुक सफ़ा 6)

मिसाल के तौर पर खुदा के मुँह से निकला हुआ कलाम आपके सामने पेश करता हूँ।

कि “मैं खुदा हूँ और मेरे सिवा कोई नहीं।..... कलाम सिदक मेरे मुँह से निकला है।” (यसअयाह 45:22 ता 23, अम्बिया के सहीफ़े)

“और खुदावंद का कलाम मुझे पहुंचा और उस ने कहा” (हिज़्कीएल 13:1, अम्बिया के सहीफ़े)

### खुदा का कलाम यानी कलिमतुल्लाह (كلمته الله)

मुकाशफ़ा 19:13 में हम पढ़ते हैं कि उस (येसू) का नाम कलाम-ए-खुदा कहलाता है।

बाइबल खुदा का लिखा हुआ कलाम है। और मसीह खुदा का ज़िंदा कलाम है।

मुन्दरिजा ज़ैल मुकाबले से ज़ाहिर है, कि कलाम-ए-खुदा, जिसमें लिखा हुआ और ज़िंदा कलाम दोनों शामिल हैं दोनो खुदा की अक्ल का इज़हार में।

मसीह और बाइबल कलाम-ए-खुदा यानी कलिमतुल्लाह	बाइबल यानी लिखा हुआ कलाम	मसीह यानी ज़िंदा कलाम
(1) दोनो खुदा का जलाल हैं।	(1) मैंने अपनी शरीअत के अहकाम.... लिखे।” (होसेअ 8:12 (अम्बिया के सहीफ़े)	(1) उस के जलाल का पत्तो और उस की ज़ात का नक्श (इब्रानियों 1:3, इन्जील)
(2) दोनो अबदी हैं	(2) खुदा का कलाम जो ज़िंदा और कायम है खुदा का कलाम अबद तक कायम	(2) येसू मसीह आज और कल बल्कि अबद तक

	रहेगा। (1 पतरस 1:23 ता 24, इन्जील)	यकसाँ हैं। (इब्रानियों 13:8, इन्जील)
(3) दोनो बेऐब है।	(3) खुदा का हर सुखन (कलाम, बात) पाक है। (अम्साल 30:5)	(3) उस की ज्ञात में गुनाह नहीं। (1 यूहन्ना 3:5)
(4) दोनो ज़िंदगी के चश्मे हैं।	(4) खुदा का कलाम ज़िंदा और मोअस्सर है। (इब्रानियों 4:12)	(4) ज़िंदगी में हूँ (यूहन्ना 14 6)
(5) दोनो हक़ हैं।	(5) तेरा कलाम सच्चाई है। (यूहन्ना 17:17)	(5) हक़ में हूँ। (यूहन्ना 1:6)
(6) दोनो नूर हैं।	(6) फ़र्मान चिराग़ है और तालीम नूर (अम्साल 6:23)	(6) दुनिया का नूर में हूँ। (यूहन्ना 8:12, इन्जील)
(7) दोनो रूह की खुराक हैं।	(7) इन्सान सिर्फ़ रोटी ही से ज़िंदा नहीं रहता। बल्कि हर एक बात से जो खुदा के मुँह से निकलती है। (इस्तसना 8:3)	(7) ज़िंदगी की रोटी में हूँ (यूहन्ना 6:35)
(8) दोनो को कुबूल करना पड़ता है ताकि नजात हासिल करें।	(8) उस के कलाम को कुबूल करो। जो दिल में बोया गया और तुम्हारी रूहों को नजात दे सकता है। (याकूब 1:21)	(8) जिन्होंने उसे कुबूल किया उसने उन्हें खुदा के फ़र्जन्द बनने का हक़ बख़्शा। (यूहन्ना 1:12)
(9) मसीह या बाइबल को रद्द करने से अज़ली नुक़सान है।	(9) जब वो मूसा और नबियों की नहीं सुनते अगर मुर्दों में से कोई जी उठे तो उस की भी ना मानेंगे। (लूका 16:31)	(9) अगर तुम ईमान ना लाओगे तो अपने गुनाहों में मरोगे। (यूहन्ना 8:24)
(10) दोनो क्रियामत के रोज़ इन्साफ़ करेंगे।	(10) जिस तरह उन किताबों में लिखा हुआ था। मुर्दों का	(10) दुनिया की अदालत उस आदमी की मार्फ़त

	इन्साफ़ किया गया। (मुकाशफ़ा 20:12)	करेगा। जिसे उसने मुकर्रर किया है। (आमाल 17:31)
--	---------------------------------------	---

(मिस्टर सिडनी कोलेस्ट के अंग्रेज़ी मज़मून से तर्जुमा किया गया)

मुन्दरिजा बाला मुकाबला हमें कलाम की निस्बत काफ़ी इतिला देता है।

जो कुछ बा-मअनी अल्फ़ाज़ मुँह से बोले जाएं कलमा या कलाम कहलाते हैं और कलमा या कलाम का ताल्लुक मुँह के साथ है।

अज़ीज़ो क्या आप का कलाम और आप दो आदमी हैं? या आपका मुँह जहां से आपका कलाम निकलता है। क्या आपसे जुदा है? आप और आपका कलाम एक हैं। हाँ नामों की हालत में दो दिखाई देते हैं। (1) आप (2) आपका कलाम।

आप का कलाम आपसे निकला है। आप कलाम से जुदा नहीं और ना आपका कलाम आपसे जुदा है। बल्कि जब आप बोलेंगे तो आपका कलाम आपके साथ ही रहेगा। दूसरे अल्फ़ाज़ में ये कि आपका कलाम और आप एक हैं। अब हम यूँ पढ़ें :-

“इब्तिदा में कलाम था। कलाम खुदा के साथ था। और कलाम खुदा था।” (यूहन्ना 1:1)

खुदा ने कहा, “कलाम सिदक मेरे मुँह से निकला है।” (यसअयाह 45:23)

जिस तरह हमने मालूम किया। कि जो कुछ हम मुँह से बोलते हैं। वो हमारा कलाम है। और हमारा कलाम और हम एक ही चीज़ को ज़ाहिर करते हैं इसी तरह खुदावंद येसू मसीह ने कहा, “मैं खुदा में से निकला हूँ।” (यूहन्ना 8:42)

तो क्या खुदा और उस का कलाम दो चीज़ें हैं। या दो खुदा हैं?

हमारे मुँह का कलाम हमारे साथ साथ है। और हमें दो आदमी नहीं बना देता। इसी तरह खुदा और कलाम यानी कलमा एक ही खुदा को ज़ाहिर करते हैं।

“उस (येसू) का नाम कलाम-ए-खुदा कलिमतुल्लाह (كلمته الله) कहलाता है।” (मुकाशफ़ा 19:13)

उस ज़िंदगी के कलाम की बाबत जो इब्तिदा से था।

“इब्तिदा में कलाम था।” (यूहन्ना 1:1) “और जिसे हमने सुना और अपनी आँखों से देखा। बल्कि गौर से देखा। और अपने हाथों से छुआ।” (1 यूहन्ना 1:1)

तो मालूम हुआ। कि कलाम या कलमा येसू है। अब यूं पढ़ें :-

“इब्तिदा में कलमा यानी येसू था। येसू खुदा के साथ था और येसू खुदा था। और कलाम मुजस्सम हुआ।” (यूहन्ना 1:14) (यूहन्ना 1:1) में लिखा है, “कलाम खुदा था।” तो अब कलाम मुजस्सम हुआ। का मतलब साफ़ हो गया। क्योंकि कलाम खुदा था। इसलिए कलाम यानी खुदा मुजस्सम हुआ। पस साबित हुआ कि मसीह का नाम कलाम है और कलाम का नाम खुदा है।

**क्या आप इस कलाम पर ईमान लाते हैं?**

“मगर कलाम के सुनने वालों में से बहुतेरे ईमान लाए और यहां तक कि मर्दों की तादाद पाँच हज़ार के करीब हो गई।” (आमाल 4:4)

## हाज़िर व नाज़िर

ज़बूर का नविश्ता : “खुदावंद तो मुझे जाँचता और पहचानता है।” (ज़बूर 139:1)

“तेरी रूह से मैं किधर जाऊं। और तेरे हुज़ूर में से कहाँ भागूँ। अगर मैं पाताल में अपना बिस्तर बिछाऊँ। तो देख तू वहां भी है।” (ज़बूर 139:7 ता 8)

येसू के हक में पूरा।

(येसू ने कहा) “क्योंकि जहां दो या तीन मेरे नाम पर इखट्ठे हैं। वहां मैं उनके बीच में हूँ।” (मती 18:20, इन्जील)

दुनिया के हर एक हिस्से में जहां सच्चे मसीही पाए जाते हैं और वो इकट्ठे होते हैं। तो खुदावंद येसू मसीह के अल्फाज़ से महसूस करते हैं। कि खुदावंद येसू अपने कौल के मुताबिक हाज़िर है अगर लाहौर शहर के बहुत से हिस्सों में जगह ब जगह सच्चे मसीही इकट्ठे हैं। और खुदावंद येसू के नाम में इकट्ठे हैं। तो खुदावंद येसू अलैहदा अलैहदा अपने कौल के मुताबिक हर ऐसी जगह में मसीहियों के बीच में है। फिर दूसरा हिस्सा शहर है। वहां पर भी इसी तरह सच्चे मसीही दो या तीन या इस से ज़्यादा हो कर उस के नाम में इकट्ठे होते हैं। और बहुत सी अलैहदा अलैहदा जगहों में इकट्ठे होते हैं। और वो भी खुदावंद येसू के कौल को याद करते हैं। और खुदावंद येसू की हुज़ूरी को वहां पर महसूस करते हैं। इसी तरह दुनिया के हर एक गांव, कस्बे और शहर में जहां सच्चे मसीही खुदावंद येसू के नाम में इकट्ठे हैं। तो खुदावंद येसू मसीह हर ऐसी जगह और सच्चे मसीहियों में इसी एक वक़्त अपने कौल के मुताबिक हाज़िर है।

ज़बूर में हमने यूं पढ़ा है, कि ज़मीन और आस्मान और समुंद्र यानी हर जगह खुदा की हुज़ूरी काम करती है। इसी तरह हमने देखा। खुदावंद येसू भी अपने ईमानदार लोगों में हर जगह इसी एक वक़्त अपने कौल के मुताबिक हाज़िर है।

क्योंकि खुदावंद येसू मसीह हर जगह हाज़िर व नाज़िर है। तो ज़बूर का नविश्ता जो खुदा के रूह को हर जगह हाज़िर व नाज़िर होने के लिए इस्तिमाल किया गया है। वही खुदावंद येसू मसीह के हर जगह हाज़िर व नाज़िर होने को साबित करता है। क्योंकि खुदावंद येसू हर जगह हाज़िर व नाज़िर है। इसलिए दाऊद के नविश्ते (ज़बूर) के मुताबिक खुदा है।

### ज़मीन पर खुदावंद येसू की निकोदीमस से गुफ़्तगु

“और आस्मान पर कोई नहीं चढ़ा। सिवा उस के जो आस्मान से उतरा (येसू) यानी इब्ने-आदम (येसू) जो आस्मान में है।”

इस हवाले में साफ़ ज़ाहिर है। कि खुदावंद येसू ज़मीन पर निकोदीमस से गुफ़्तगु कर रहे हैं। और उसी वक़्त आस्मान में भी हैं। येसू एक ही वक़्त आस्मान व ज़मीन में हाज़िर होने की हकीकत खुद उसे खुदा साबित करती है।

येसू ने बातें कीं। (मती 28:18)

“और देखो मैं दुनिया के आखिर तक हमेशा तुम्हारे साथ हूँ।”

(मती 28:20, इन्जील)

येसू मसीह ने कहा, कि जहां कहीं दुनिया एक सिरे से दूसरे सिरे तक उस के शागिर्द जाएंगे। हर जगह अलैहदा अलैहदा येसू हर हिस्से में अपने शागिर्दों के साथ हमेशा हैं।

सिर्फ इन्सान कभी इन्सान के साथ हमेशा और हर जगह नहीं रह सकता। सिवाए खुदा के। खुदावंद येसू का दुनिया के हर हिस्से में और हमेशा अपने शागिर्दों के साथ होना खुद उस के हर जगह हाज़िर व नाज़िर होने के सबब से खुदा होना है।

“जो कोई ज़िंदा है। और उस पर ईमान लाता है। वो अबद तक कभी ना मरेगा। क्या तू उस पर ईमान रखती है?” (यूहन्ना 11:26) “और ईमान लाने वाले मर्द और औरत खुदावंद की कलीसिया में और भी कस्रत से आ मिले।” (आमाल 5:14 इन्जील)

## अदालत करने वाला यानी मुंसिफ़

शाह यरूशलेम दाऊद के बेटे वाइज़ (सुलेमान) की बातें

(जिस्म में) मसीह से 917 साल पेशतर का नविश्ता :-

“क्योंकि खुदा हर एक फ़ेअल को हर एक पोशीदा चीज़ के साथ ख्वाह भली ख्वाह बुरी अदालत में लाएगा।” (वाइज़ 12:14, अम्बिया के सहीफ़े)

येसू मसीह के हक़ में पूरी हुई।

“क्योंकि ज़रूर है कि मसीह के तख़्त अदालत के सामने जाकर हम सब का हाल ज़ाहिर किया जाये। ताकि हर एक शख्स अपने कामों का बदला पाए। जो उसने बदन के वसीले किए हों ख्वाह भले हों ख्वाह बुरे।” (2 कुरिन्थियों 5:10, इन्जील)

जब हम इबादत में आदिल या मुंसिफ़ बोलते हैं। तो इस नाम से खुदा ही को याद करते हैं।

इन्जील में लिखा है, “मसीह के तख्त अदालत के सामने जाकर।” तो मालूम हुआ कि वो खुदावंद येसू मसीह है। जिसने हर शख्स का इन्साफ करना है। और वाइज़ मसीह के मुजस्सम होने से 917 साल पेशतर साफ अल्फ़ाज़ में अदालत करने वाला है और अदालत करने की वजह से से वाइज़ के नविशते के मुताबिक़ खुदा है।

“खुदावंद येसू मसीह को जो ज़िंदों और मुर्दों की अदालत करेगा। गवाह करके और उस के ज़हूर और बादशाहत को याद दिला कर मैं तुझे ताकीद करता हूँ।” (2 तिमथियुस 4:1, इन्जील)

यहां पर भी मालूम हुआ। कि ज़िंदों और मुर्दों की अदालत करने वाला खुदावंद येसू मसीह है। और अदालत करने की वजह से वाइज़ के नविशते के मुताबिक़ खुदा है।

“क्योंकि उसने एक दिन ठहराया है। जिसमें वो रास्ती से दुनिया की अदालत उस आदमी (येसू जो मुजस्सम हो कर आदमी की शकल में आया) की माफ़त करेगा। जिसे उसने मुकर्रर किया। और उसे मुर्दों से जिला कर (ज़िंदा करके) ये बात सब पर साबित कर दी है।” (आमाल 17:31)

अभी हमने देखा। कि खुदावंद येसू मसीह ज़िंदों और मुर्दों का इन्साफ़ करेगा। मतलब ये कि खुदावंद येसू मसीह की दूसरी आदम के वक़्त वो लोग होंगे। जो जिस्म में ज़िंदा होंगे। और उन मरे हुआँ और उस वक़्त के ज़िंदा लोगों दोनो का इन्साफ़ किया जाएगा। खुदा ने अपने मुँह की कही हुई बातों को हमेशा करके दिखाया। और लोग उस पर ईमान लाए।

खुदा ने नूह को कशती बनाने के लिए कहा। और यह भी कहा कि क्योंकि गुनाह दुनिया में बहुत बढ़ गया है। इसलिए मैं तमाम सांस लेने वाली चीज़ों को हलाक करूंगा। इसी तरह हुआ। सिवाए हर जानदार जोड़े के और नूह के खानदान के तमाम जानदार चीज़ें, क्या इन्सान और क्या जानवर सब हलाक हो गए। और इस तरह खुदा ने अपनी बातों को अमली हालत में साबित किया।

इस तरह खुदा ने मूसा को कहा। कि मैं बनी-इस्राईल को फ़िराँन की गुलामी में से निकाल लाऊँगा। चुनान्चे लिखा है :-

“और उसने अब्राम (जिसे ख़ुदा ने इब्राहिम कहा) से कहा, कि यकीन जान। कि तेरी औलाद (बनी-इस्राईल) एक मुल्क में जो उनका नहीं परदेसी होगी। और वहां के लोगों की गुलाम बनेगी। और वो चार सौ बरस तक उन्हें दुख देंगे। लेकिन मैं उस क़ौम की भी जिसकी वो गुलाम होगी अदालत करूंगा। और वो (बनी-इस्राईल) बाद इस के बड़ी दौलत ले के निकलेगी।” (पैदाइश 1:5-13 ता 14) बनी-इस्राईल मुल्क मिस्र में फिराउन की गुलामी में रही। और ख़ुदा ने अपने क़ौल के मुताबिक़ उनको गुलामी में से निकाला।

पूरा किया।

“और यूं हुआ। कि ठीक उसी दिन ख़ुदावंद ने बनी-इस्राईल को उनके लश्करो के साथ ज़मीन मिस्र से बाहर निकाला।” (ख़ुरूज 12:51)

यहां पर मालूम हुआ कि ख़ुदावंद ने जो कुछ इब्राहिम को कहा उसे साबित किया। और इसी तरह अगली पेशीनगोइयों को भी ख़ुदा-परस्त बनी-इस्राईल मानती रही। इसी तरह लिखा है :-

“उसे यानी येसू को मुर्दों में से जिला कर ये बात सब पर साबित कर दी है।” यानी मुर्दों की क्रियामत।

अगर ख़ुदा मौत से ज़िंदा होने की हालत को हम पर साबित ना करता तो मुर्दों की क्रियामत का भेद और मतलब हम ना समझ सके।

मसीह के मुर्दों में से जी उठने की हालत ही ने मुर्दों की क्रियामत का भेद हम पर खोल दिया है। यानी कि अदालत के दिन मुर्दों और ज़िंदों का इन्साफ़ किया जाएगा। अगर मसीह मर कर ज़िंदा ना होता। तो हम कैसे समझ सकते कि जो मर चुके हैं। वो ज़िंदा किए जाएंगे। और इमान से हमेशा की ज़िंदगी के वारिस होंगे। और बेइमान हमेशा की हलाकत और तकलीफ़ के वारिस होंगे और सिवाए ख़ुदावंद येसू मसीह के। लफ़ज़ क्रियामत का मतलब हम नहीं समझ सकते। क्योंकि कोई नबी भी ख़ुद मर कर ज़िंदा ना हुआ।

अभी हम ने पढ़ा। कि अदालत वो करेगा। जो मर कर ज़िंदा हुआ जो ख़ुदावंद येसू मसीह के ज़िंदा होने की तरफ़ इशारा करता है। पस साबित हुआ कि वो ख़ुदावंद येसू मसीह



है। जो अदालत करेगा। वाइज़ उसे खुदा कहता है। जिसने भली और बुरी चीज़ों की अदालत करनी है।

पौलूस रसूल कुरिन्थियों के खत में इस की मसीह के हक में तस्दीक करता है। कि मसीह के तख्त अदालत के सामने भली और बुरी चीज़ें अदालत में लाई जाएँगी। और फिर हमने मालूम किया। मसीह जो मुर्दों में जी उठा। अदालत करेगा।

सबूत पर सबूत से मालूम हुआ। कि अदालत करने वाला मसीह है। जिसे वाइज़ खुदा कहता है।

### दीगर सबूत

यसअयाह नबी की पेशीनगोई में लिखा है “येस्सी के तने से एक कोन्पल निकलेगा।..... वो रास्ती से मिस्कीनों का इन्साफ़ करेगा। और इन्साफ़ से ज़मीन के खाकसारों के लिए इन्साफ़ करेगा। और शरीरों को फ़ना कर डालेगा।” (यसअयाह 11:1, 4, अम्बिया के सहीफ़े)

“येस्सी से दाऊद नबी पैदा हुआ।” (1 शमुएल 17:12, अम्बिया के सहीफ़े) और दाऊद की नस्ल से येसू मसीह। क्योंकि लिखा है, “येसू मसीह इब्ने दाऊद।” (मत्ती 1:1)

तो मालूम हुआ। कि जो येस्सी के तने से जो कोन्पल निकली वो येसू मसीह है। वो कोन्पल यसअयाह नबी की पेशीनगोई के मुताबिक़ इन्साफ़ करेगी क्योंकि वो कोन्पल येसू मसीह है। इसलिए यसअयाह नबी की पेशीनगोई के मुताबिक़ येसू मसीह अदालत करेगा। और अदालत करने की वजह से वाइज़ के नविशते के बमूजब खुदा है।

### ज़बूर के नविशते :-

(1) “ऐ खुदा लोग तेरी सताईश करें। सब लोग तेरी मद्दहख्वानी करें। उम्मतें खुश हों। और खुशी के मारे गाएँ। कि तू (खुदा) रास्ती से लोगों की अदालत करेगा।” (ज़बूर 67:3 ता 4)

(2) “खुदावंद के आगे कि वो ज़मीन की अदालत करने आता है। वो सदाक़त से दुनिया की और रास्ती से उम्मतों की अदालत करेगा।” (ज़बूर 98:9)

(3) “खुदावंद..... सदाक़त से लोगों का इन्साफ़ करेगा।” (ज़बूर 96:10)

ज़बूर के नविशते येसू मसीह के हक़ में पूरे हुए।

“फिर मैंने आस्मान को खुला हुआ देखा। और क्या देखता हूँ। कि एक सफ़ैद घोड़ा है। उस पर एक सवार है। जो सच्चा और बरहक़ कहलाता है। और वो रास्ती के साथ इन्साफ़ और लड़ाई करता है।..... और उस का नाम कलाम-ए-खुदा कहलाता है।” (मुकाशफ़ा 19:11 ता 13)

सवार का नाम कलाम-ए-खुदा है। और वो इन्साफ़ करता है। ज़बूर 67 में इन्साफ़ करने वाले को साफ़ तौर से खुदा कहा गया है। और ज़बूर 96, 98 में इस अदालत करने वाले येसू को खुदावंद कहा गया है। पस फिर साबित हुआ। कि येसू ही खुदावंद खुदा है। जो रास्ती से लोगों की अदालत करेगा।

इस अदालत की सज़ा से बचने का सिर्फ़ एक ही वाहिद ईलाज है। खुदावंद येसू मसीह पर सच्चे दिल से ईमान लाना। “पस अब जो मसीह येसू हैं उन पर सज़ा का हुक़म नहीं।” (रोमियों 8:1)

## गुनाह माफ़ करने वाला खुदावंद यहोवा

मैं ही “यहोवा” हूँ आगे यूं लिखा है, “मैं ही वो (यहोवा) हूँ जो अपने नाम की खातिर तेरी ख़ताओं को याद नहीं रखूंगा।” (यसअयाह 43:11, 25)

“मैंने तुझ पास अपने गुनाहों का इक़रार किया। और मैंने अपनी बदकारी नहीं छुपाई। मैंने कहा, मैं खुदावंद के आगे अपने गुनाहों का इक़रार करूंगा। सो तूने मेरी बदज़ाती के गुनाह को बख़्श दिया।” (ज़बूर 32:5)

येसू मसीह के हक़ में पूरा हुआ।

“येसू ने उनका ईमान देखकर मफ़लूज से कहा कि बेटा तेरे गुनाह माफ़ हुए।” (मर्कुस

पहली बात तो ये है। कि दुनिया में कोई इन्सान ऐसा नहीं हुआ जिसने गुनाह ना किया हो। सिवाए येसू के। चुनान्चे लिखा है कि, (येसू ने कहा) “तुम में कौन मुझ पर गुनाह साबित कर सकता है।” (यूहन्ना 8:46) “ना उसने गुनाह किया।” (1 पतरस 2:22)

और गुनाह से पाक सिर्फ़ खुदा की ज़ात है। जो येसू के हक़ में पूरी हुई।

सच्चे मसीही लोग इसलिए मुक़द्दस कहलाते हैं, कि वो खुदावंद येसू मसीह पर सच्चे दिल से ईमान लाए और येसू मसीह में उनके गुनाह माफ़ हुए। दूसरे अल्फ़ाज़ में ये कि सिर्फ़ खुदावंद येसू मसीह के नाम ही में गुनाहों की माफ़ी हासिल हो सकती है। और दाऊद अपने गुनाह का इकरार करते हुए उसे खुदावंद कहता है और यसअयाह गुनाहों के माफ़ करने वाले येसू मसीह को यहोवा कहता है।

“पतरस ने उनसे कहा तौबा करो और तुम में से हर एक अपने गुनाहों की माफ़ी के लिए येसू मसीह के नाम पर बपतिस्मा ले तो तुम रूह-उल-कुद्स इनाम में पाओगे।” (आमाल 2:37) “इसी रोज़ तीन हज़ार आदमियों के करीब उनमें आ मिले।” (आमाल 4:41)

क्या आप खुदावंद येसू मसीह पर ईमान लाते हैं? उस के नाम में गुनाहों की माफ़ी है। जैसे ईमान से मफ़लूज के गुनाह माफ़ हुए। जैसे गुनाह के इकरार से दाऊद के गुनाह माफ़ हुए। उसी तरह सिर्फ़ येसू मसीह जो खुदावंद है। आपके गुनाहों को भी माफ़ कर सकता है।

## बाब शश्म

### वाहिनियत

“मैं और बाप एक हूँ।” (यूहन्ना 10:30)

“हमारी तरह एक हों” (यूहन्ना 17:11)

“हम एक हैं।” (यूहन्ना 17:22)

सबसे ऊपर की आयत में लफ़ज़ में कलाम है। और लफ़ज़ बाप खुदा है। आप और आप का कलाम एक ही हैं। इसी तरह येसू यानी कलाम या कलमा और बाप यानी खुदा एक ही हैं।

जिस तरह गर्मी और रोशनी एक ही चीज़ सूरज को ज़ाहिर करती हैं भाप और बर्फ़ एक ही चीज़ पानी को ज़ाहिर करती हैं। आपका नक्श फ़ोटो में, और आप का लिखा हुआ कलाम आपको ज़ाहिर करते हैं। इसी तरह येसू और रूह-उल-कुद्स भी खुदा ही को ज़ाहिर करते हैं।

जिस तरह (1) सूरज। (2) सूरज की गर्मी (3) और सूरज की रोशनी एक ही सूरज को ज़ाहिर करते हैं। और पानी, भाप, बर्फ़ पानी ही को ज़ाहिर करते हैं। आपका फ़ोटो। आप का कलाम और आप एक हैं इसी तरह येसू ने कहा मैं और बाप एक हैं। ना सिर्फ़ बाप और बेटा। बल्कि बाप और बेटा और रूह-उल-कुद्स एक खुदा को ज़ाहिर करते हैं। “और जो मुझे देखता है मेरे भेजने वाले को देखता है।” (यूहन्ना 12:45)

**मिसाल :-**

एक आदमी लाहौर में रहता है। उसने अमरीका कभी नहीं देखा। कारोबार की वजह से इस आदमी की वाकफ़ियत अमरीका में रहने वाले आदमी के साथ कारोबार में ख़त व किताबत के ज़रीये हो गई। इस तरह मुहब्बत बढ़ गई। और लाहौर वाले आदमी ने अपने अनदेखे दोस्त को अमरीका में अपनी फ़ोटो भेज दी।

ख़त आदमी के अल्फ़ाज़ का लिखी हुई हालत में इज़हार है। यानी वो लिखा हुआ कलाम और उस का फ़ोटो उस का अपना नक्श है।

तर्तीब यूँ है। (1) आदमी (2) उस का लिखा हुआ कलाम (3) उस का फ़ोटो। क्या तीन आदमी हैं या एक? एक।

जैसे इस मिसाल में लाहौर वाले आदमी ने अमरीका वाले आदमी को नहीं देखा। इसी तरह लिखा है, “खुदा को कभी किसी नहीं देखा।” (1 यूहन्ना 4:12)

दूसरी हालत हमने ये देखी। कि खत व किताबत के ज़रीये इन दोनों आदमियों की वाकफ़ियत हो गई। और एक दूसरे से मुहब्बत पैदा हो गई। इसी तरह खुदा ने खत व किताबत के ज़रीये यानी अपने लिखे हुए कलाम के ज़रीये अपनी वाकफ़ियत दिला कर हम में अपनी मुहब्बत पैदा की।

“खुदा का कलाम जो ज़िंदा और कायम है। खुदा का कलाम जो अबद तक कायम रहेगा।”

(1 पतरस 1:23 ता 24) “तेरा कलाम सच्चाई है।” (यूहन्ना 17:17)

जिस तरह अनदेखी हालत में अमरीका और लाहौर वाले दोस्त में खत व किताबत की वजह से मुहब्बत पैदा हो गई उसी तरह अनदेखे खुदा ने अपने लिखे हुए कलाम यानी बाइबल से अपनी मुहब्बत को हम पर ज़ाहिर किया और उसे पढ़ने और सुनने से हमारी खुदा के साथ मुहब्बत पैदा हो गई क्योंकि “खुदा मुहब्बत है।” (1 यूहन्ना 4:8)

जब लाहौर और अमरीका में रहने वाले आदमी में खत व किताबत की वजह से मुहब्बत पैदा हो गई। और एक दूसरे के मुताल्लिक बहुत सी बातें मालूम हो गईं। तो लाहौर वाले आदमी ने अमरीका में रहने वाले दोस्त को अपनी फ़ोटो भेजी। अमरीका में रहने वाले दोस्त को अनदेखी हालत में भी उस का पूरा नक्श और फ़ोटो मिल गया। और उसे देखने से मालूम हो गया। कि वो आदमी इस तरह का नक्श रखता है। इसी तरह खुदा ने जब अपने आपको मुहब्बत की हालत में अपने कलाम से हम पर ज़ाहिर किया और हमारी खुदा से मुहब्बत पैदा हो गई। तो अपना असली नक्श येसू की हालत में हम पर ज़ाहिर किया।

लिखा है “खुदा को कभी किसी ने नहीं देखा। इकलौता बेटा (येसू) जो बाप की गोद में है। उसने ज़ाहिर किया।” (यूहन्ना 1:18)

“वो (खुदावंद येसू मसीह) अनदेखे खुदा की सूरत है।” (कुलस्सियों 1:15) और येसू की बाबत लिखा है :-

“वो (येसू) उस के (खुदा के) जलाल का परतू और उस की ज़ात का नक्श हो कर सब चीज़ों को अपनी कुदरत के कलाम से सँभालता है।” (इब्रानियों 1:3)

खत व किताबत की वजह से अनदेखी हालत में भी लाहौर वाले आदमी की मुहब्बत अमरीका वाले आदमी से हो गई। और इस फ़ोटो से वही नक्श उस की आँखों में आ गया। तर्तीब यूँ है :-

(1) आदमी (2) आदमी का खत (3) आदमी का फ़ोटो। क्या ये तीन आदमी हैं? हरगिज़ नहीं सिर्फ एक। मगर मुख्तलिफ़ हालतों में हैं। इसी तरह अज़ीज़ो :

(1) खुदा (2) खुदा का कलाम (3) खुदा का नक्श यानी येसू मसीह भी एक यानी वाहिद खुदा होने को साबित करते हैं।

जिस तरह वो आदमी फ़ोटो को देखने से अपने अनदेखे दोस्त को देखता है। उसी तरह येसू ने कहा :-

“जो मुझे देखता है। खुदा को देखता है।”

अज़ीज़ो! जो खुदावंद येसू मसीह को देखता है। वो खुदा को देखता है। खुदावंद येसू को देखना क्या है? उस पर सच्चे दिल से ईमान लाना। “क्या तू उस पर ईमान रखती है?” (यूहन्ना 11:27 इन्जील)

येसू ने कहा, “अगर तुमने मुझे जाना होता। तो मेरे बाप (खुदा) को भी जाना होता। अब उसे जानते हो। और देख लिया है। फिलिप्पुस ने उस से कहा, ऐ खुदावंद बाप को हमें दिखा। यही हमें काफी है। येसू ने उस से कहा, “ऐ फिलिप्पुस मैं इतनी मुद्दत से तुम्हारे साथ हूँ। क्या तू मुझे नहीं जानता। जिसने मुझे देखा। उसने बाप को देखा।” (यूहन्ना 14:7 ता 9)

खुदावंद येसू मसीह ने कहा, अगर तुमने मुझे जाना होता। तो खुदा को भी जाना होता। अब खुदा को जानते हो। और उसे देख लिया है। शागिर्द खुदावंद येसू ही से गुफ्तगु कर रहे थे। और उसे ही देख रहे थे और खुदावंद येसू ने कहा, कि तुमने खुदा को देख लिया है। फिलिप्पुस खुदावंद येसू का शागिर्द इतना कहने पर भी ना समझा और कहने लगा कि बाप यानी खुदा को हमें दिखा। तो खुदावंद येसू ने साफ़ तौर पर उस पर उलूहियत ज़ाहिर कर दी और कहा :-

“जिसने मुझे देखा उसने बाप को देखा।”

खुदावंद येसू पर ईमान लाना ही खुदा को देखना है। ईमान के ज़रीये अब हम भी कह सकते हैं। अब खुदा को जानते हैं। अब खुदा को देख लिया है।

अज़ीज़ो! और किसी जगह से आप खुदा के घर में दाखिल नहीं हो सकते। येसू ने कहा “दरवाज़ा मैं हूँ।” (यूहन्ना 10:9) आप दूसरे घर की अंदर की चीज़ें नहीं देख सकते। जब तक आप घर के अंदर दाखिल ना हो जाएं। और घर में दाखिल होने का दुरुस्त रास्ता दरवाज़ा है। क्या आप खुदा को देखना चाहते हैं? खुदा का तख्त आस्मान पर है और खुदा तक पहुंचने का रास्ता खुदावंद येसू है। चुनान्चे लिखा है :-

“राह मैं हूँ।” (यूहन्ना 14:6)

इस रास्ते पर चलने से आप इस जगह पहुंच सकते हैं और दरवाज़े के ज़रीये आप इस मकान में दाखिल हो सकते हैं और वो दरवाज़ा खुदावंद येसू है।

अगर आप खुदा को देखना और जानना चाहते हैं। तो दरवाज़े से दाखिल हो जाएं। और दरवाज़े के अंदर जाने ही से खुदा को आप देख सकते हैं। और इस जिस्म की हालत में रहते हुए। खुदावंद येसू पर ईमान लाना ही खुदा को जानना है।

अज़ीज़ो! दुनिया में कोई भी आपको मुक्ती या नजात नहीं दे सकता। सिवाए खुदावंद येसू के। हाँ ये ज़रूर कहते हैं। ऐसा करो। वैसा करो। मगर ना कहने वाला और ना सुनने वाला बगैर ईमान के नजात पा सकते हैं। तमाम अम्बिया ने अपने आमाल से नजात हासिल नहीं की। बल्कि वो सब ईमानदार ही कहलाते हैं। (इब्रानियों 11 बाब) चुनान्चे इब्राहिम को ईमानदारों का बाप कहा गया। अज़ीज़ो खुदा ने बहुत से मज़हब नहीं बनाए। ये दुनिया ने खुदा की मर्ज़ी को काट कर अपनी मर्ज़ी से बहुत से ग़लत रास्ते बनाए हैं। चुनान्चे लिखा है :-

“एक ही खुदावंद है। एक ही ईमान एक ही बपतिस्मा।” (इफिसियों 4:5) येसू ने जवाब में उनसे कहा, खुदा का काम ये है कि जिसे उसने भेजा है। उस पर ईमान लाओ।” (यूहन्ना 6:29)

## मसीह का लहू ख़ुदा का लहू कहलाता है

“पस अपने सारे गल्ले की खबरदारी करो। जिसका रूह-उल-कुद्स ने तुम्हें निगहबान ठहराया। ताकि ख़ुदा की कलीसिया की गल्लाबानी करो जिसे उसने (यानी ख़ुदा ने) ख़ास अपने खून से मोल लिया।” (आमाल 20:28)

“तुम्हारी खलासी फ़ानी चीज़ों यानी सोने चांदी के ज़रीये से नहीं हुई। बल्कि एक बेदाग़ बर्रे यानी मसीह के खून के बेशकीमत खून से।” (1 पतरस 1:18 ता 19)

यहां पर लिखा है, ख़ुदा की कलीसिया की गल्लाबानी करो। जिसे उसने यानी ख़ुदा ने ख़ास अपने खून से मोल लिया। जब ख़ुदावंद येसू सलीब पर था तो उस के सर, पांव, हाथ पसली और पीठ से खून बह रहा था। और ख़ुदावंद येसू मसीह ने हमें अपने खून से मोल लिया। यही ख़ुदावंद येसू मसीह का खून मुन्दरिजा बाला आयत में ख़ुदा का खून कहलाता है। “जिसे ख़ुदा ने ख़ास अपने खून से मोल लिया।”

जब मसीह का खून ख़ुदा का खून कहलाता है। तो साफ़ ज़ाहिर है। कि मसीह ख़ुदा है।

चुनान्चे लिखा है “उस के बेटे येसू का खून हमें तमाम गुनाहों से पाक करता है।” (1 यूहन्ना 1:7)

## बाब हफ़तुम

### ख़ुदा के साथ मसीह रूह-उल-कुद्स भेजने में बराबर

ख़ुदा रूह-उल-कुद्स को भेजने वाला। “और मैं बाप से दरखास्त करूंगा कि वो तुम्हें दूसरा मददगार बख़शेगा।” (यूहन्ना 14:16)



## मसीह रूह-उल-कुद्स को भेजने वाला

“लेकिन जब वो मददगार आएगा। (रूह-उल-कुद्स) जिसको मैं.... भेजूँगा। यानी सच्चाई का रूह।” (यूहन्ना 15:26)

## खुदा के साथ येसू मसीह इज़्जत में बराबर

“ताकि सब लोग बेटे की इज़्जत करें। जिस तरह बाप की इज़्जत करते हैं। जो बेटे की इज़्जत नहीं करता। वो बाप की जिसने उसे भेजा इज़्जत नहीं करता।” (यूहन्ना 5:23)

“इसी तरह बाप ने अदालत का सारा काम बेटे के सपुर्द किया।” (यूहन्ना 5:22)

बादशाह के ज़िंदा और लिखे हुए कलाम को रद्द करना और बेइज़्जत करना बादशाह को बेइज़्जत करना है। क्योंकि बादशाह और बादशाह का कलाम एक बराबर हैं। और बादशाह के कलाम की इज़्जत करना बादशाह ही की इज़्जत करना है। इसी तरह बेटे यानी कलाम की इज़्जत करना खुदा ही की इज़्जत करना है।

## खुदावंद येसू मसीह खुदा के बराबर सब चीज़ों का मालिक है

(येसू ने कहा) “जो कुछ बाप का है। वो मेरा है।” (यूहन्ना 16:15)

हाँ जिस तरह हमारा खुदा पर ईमान है। उसी तरह हमारा येसू पर ईमान है। येसू ने कहा “तुम खुदा पर ईमान रखते हो मुझ पर भी ईमान रखो।” (यूहन्ना 14:1)

“उसने अगरचे खुदा की सूरत पर था। खुदा के बराबर होने को कब्ज़े में रखने की चीज़ ना समझा” (फिलिप्पियों 2:6)

## मुंजी (नजात देने वाला) खुदा और मुंजी येसू मसीह

जिस तरह खुदा मुंजी (नजात देने वाला) है। उसी तरह येसू मसीह भी मुंजी (नजात देने वाला) है। चुनान्चे लिखा है :-

## मुंजी खुदा

“मगर जब हमारे मुंजी (नजात देने वाले) खुदा की मेहरबानी।” (तितुस 3:4)

## मुंजी येसू मसीह

जिसे उसने हमारे मुंजी (नजात देने वाले) येसू मसीह की मार्फत.....।” (तितुस 3:6)

**खुदा शरीअत का बेक़ैद है खुदावंद येसू मसीह भी खुदा के बराबर ही शरीअत का बेक़ैद है**

“येसू ने कहा. “मेरा बाप अब तक काम करता है और मैं भी करता हूँ।” (यूहन्ना 5:17)

दोनों नामों की एक ही ताअरीफ़	मसीह	खुदा
चरवाहा या गल्लाबान	(1) मेरी भेड़ें मेरी आवाज़ पहचानती हैं। (यूहन्ना 10:27 इन्जील)	(1) क्योंकि खुदावंद यहोवा फ़रमाता है, कि मैं अपनी भेड़ों की तलाश करूंगा। और उन्हें ढूँढ निकालूंगा। (हिज़्कीएल 34:11 अम्बिया के सहीफ़े)
कुद्दूस	(2) तुमने उस कुद्दूस और रास्तबाज़ (येसू) का इन्कार किया और दरख्वास्त की कि एक खूनी तुम्हारी खातिर छोड़ा जाये। (आमाल 3:14, इन्जील)	(2) कुद्दूस कुद्दूस कुद्दूस खुदावंद खुदा कादिर-ए-मुतलक। (मुकाशफ़ा 4:8 इन्जील)

<p><b>बरहक</b></p>	<p>(3) येसू ने उस से कहा “राह हक और ज़िंदगी में हूँ।” (यूहन्ना 14:6)</p> <p>जो कुदूस और बरहक है और दाऊद की कुंजी रखता है। (येसू) (मुकाशफ़ा 3:17)</p>	<p>(3) मगर जिसने (यानी खुदा ने) मुझे भेजा है वो “सच्चा” है। (यूहन्ना 17:28)</p> <p>और “बरहक” को।... जानें। (यूहन्ना 17:3)</p>
<p><b>हमेशा की ज़िंदगी देने वाले</b></p>	<p>(4) (येसू ने यहूदियों को जवाब दिया) और मैं उन्हें हमेशा की ज़िंदगी बख़्शता हूँ और वो अबद तक कभी हलाक ना होंगी।” (यूहन्ना 10:28)</p>	<p>(4) क्योंकि गुनाह की मज़दूरी मौत है मगर खुदा की बख़िश... हमेशा की ज़िंदगी है। (रोमियों 6:23)</p>
<p><b>खादिम-ए-दीन मुकर्रर करने वाले</b></p>	<p>(5) और हम में से हर एक पर मसीह की बख़िश अंदाज़े के मुवाफ़िक़ फ़ज़ल हुआ और उसी ने बाअज़ को रसूल और बाअज़ को नबी और बाअज़ को मुबशिशर और बाअज़ को चरवाहा और उस्ताद बनाकर दे दिया।” (इफ़िसियों 4:11)</p>	<p>(5) खुदावंद फ़रमाता है और मैं तुमको अपनी खातिर ख़्वाह चरवाहे दूंगा और वो तुम्हें दानाई समझदारी से चराएंगे। (यर्मियाह 3:15)</p>
<p><b>तालीम देने वाले</b></p>	<p>(6) पौलूस रसूल की गवाही क्योंकि वो मुझे इन्सान की तरफ़ से नहीं पहुंची ना मुझे सिखाई गई बल्कि येसू मसीह की तरफ़ से मुझे उस का मुकाशफ़ा हुआ।” (ग़लतियों 1:12)</p>	<p>(6) खुदावंद तेरा नजात देने वाला इस्राईल का कुदूस यूं फ़रमाता है मैं ही खुदावंद तेरा खुदा हूँ जो तुझे फ़ायदे की बातें सिखाता हूँ।” (यसअयाह 48:17)</p>
<p><b>मुंजी (नजात देने वाला)</b></p>	<p>(7) जिसे उसने हमारे “मुंजी” (नजात-दहिंदा) येसू मसीह</p>	<p>(7) उस खुदा-ए-वाहिद का जो हमारा “मुंजी” (नजात-दहिंदा) है।” (यहूदाह 1:25)</p>

	की मारफ़त हम पर इफ़रात से नाज़िल किया।	
रूह-उल्लाह (खुदा की रूह)	(8) चुनान्चे लिखा है कि पहला आदमी यानी आदम ज़िंदा नफ़स बना। पिछला आदम (मसीह) ज़िंदगी बख़शने वाली “रूह” बना। (1 कुरिन्थियों 15:45)	(8) खुदा “रूह” है। (यूहन्ना 4:24)
मुहब्बत	(9) इस से ज़्यादा मुहब्बत कोई शख़्स नहीं करता। कि अपनी जान अपने दोस्तों के लिए दे दे। (मसीह) (यूहन्ना 15:13)	(9) खुदा “मुहब्बत” है। (यूहन्ना 4:24)
नूर	(10) येसू ने उनसे कहा,.... जब तक “नूर” तुम्हारे साथ है नूर पर ईमान लाओ (यूहन्ना 12:35 ता 36)	(10) खुदा “नूर” है। (1 यूहन्ना 1:5)
लातब्दील	(11) येसू मसीह कल और आज और अबद तक यकसाँ है। (इब्रानियों 13:8)	(11) और हर अच्छी बख़िश और हर कामिल इनाम ऊपर से है और नूरों के बाप की तरफ़ से मिलता है जिसमें ना कोई तब्दीली हो सकती है और ना गर्दिश के सबब उस पर साया पड़ता है। (याकूब 1:17)
रहीम व करीम	(12) पस उस को (मसीह को) सब बातों में अपने भाईयों की मानिंद बनना लाज़िम हुआ। कि उम्मत के गुनाहों का कफ़ारा देने के वास्ते उन बातों में जो खुदा	(12) खुदावंद खुदा रहीम और मेहरबान क़हर में धीमा और रब-उल-फ़ैज़ व वफ़ा (खुरूज 34:6)

	से इलाका रखती हैं एक रहम दिल और दीनदार सरदार काहिन बने। (इब्रानियों 2:17)	
हकीम	(13) मसीह खुदा की कुद्रत और हिक्मत है। (1 कुरिन्थियों 1:24)	(13) हम खुदा की पोशीदा हिक्मत भेद के तौर पर बयान करते हैं। (1 कुरिन्थियों 2:5)
खालिक	(14) क्योंकि उसी में (मसीह में) सारी चीजें पैदा की गई आस्मान की हो या ज़मीन की।.... (कुलस्सियों 1:16)	(14) इब्तिदा में खुदा ने आस्मान व ज़मीन को पैदा किया। (पैदाइश 1:1)
हाज़िर व नाज़िर	(15) (ज़मीन पर बातें करते वक्त आस्मान में भी हाज़िर) और आस्मान पर कोई नहीं चढ़ा सो उस के जो आस्मान से उतरा। (मसीह) यानी इब्ने-आदम जो आस्मान में है। (यूहन्ना 1:13)	(15) क्या कोई आदमी छिपी जगहों में अपने को छुपा सकता है कि मैं उसे ना देख सकूँ। खुदावंद कहता है क्या आस्मान व ज़मीन मुझसे भरे नहीं हैं। (यर्मियाह 23:24)
आलिमुल-गैब (गैब का जानने वाला)	(16) पतरस ने दिल-गीर हो कर उस (मसीह से) कहा ऐ खुदावंद तू तो सब कुछ जानता है। (यूहन्ना 21:17)	(16) ये वही खुदावंद है जो दुनिया के शुरू से इन बातों की खबर देता आया है। (आमाल 15:18)
क्वादिर	(17) और हमारे लिए एक लड़का पैदा हुआ।.... और वो इस नाम से कहलाता है..... खुदा-ए-क्वादिर। (यसअयाह 9:6)	(17) तब खुदावंद अब्राम (इब्राहिम) को नज़र आया और उस से कहा कि मैं खुदा-ए-क्वादिर हूँ। (पैदाइश 17:1)

अव्वल व आखिर	(18) मैं अव्वल व आखिर और जिंदा हूँ मैं मर गया था और देख अबद-उल-आबाद जिंदा रहूँगा। (मुकाशफ़ा 1:17 ता 18)	(18) मैं ही अव्वल और मैं ही आखिर भी हूँ। (यसअयाह 48:12)
जलील या जूलजलाल (जलाली)	(19) ऐ मेरे भाइयो हमारे खुदावंद जूलजलाल (जलाली) येसू मसीह का ईमान तुम में तरफ़-दारी के साथ ना हो। (याकूब 2:1)	(19) लशकरो का खुदावंद वही जलाल का बादशाह है। (ज़बूर 24:10)
आदिल या मुंसिफ़	(20) मसीह के तख्त-ए-अदालत के सामने जाकर हम सब का हाल ज़ाहिर किया जाएगा। (2 कुरिन्थियों 5:10)	(20) खुदावंद के आगे कि वो ज़मीन की अदालत करने आता है। (ज़बूर 98:9)

क्योंकि येसू मसीह की वही सिफ़ात हैं। जो खुदा की हैं। इसलिए येसू मसीह खुदा है।

“मैंने तेरा कलाम उन्हें पहुंचा दिया।” (यूहन्ना 17:14)

यहां मालूम हुआ कि खुदा के जलाल को खुदावंद येसू ही ने अपने में हर तरह ज़ाहिर किया। चुनान्चे खुदावंद येसू मसीह की बाबत लिखा है, “क्योंकि उलूहियत की सारी मामूरी उसी में (येसू में) मुजस्सम हो कर सुकूनत करती है।” (कुलस्सियों 2:9) पानी और हवा को डाँटा और उन्होंने ने खुदावंद येसू का हुक्म माना। मुर्दे जिंदा किए गए। कौड़ी पाक साफ़ हुए। अँधों ने बीनाई पाई। बद-रूहें हुक्म से निकाली गईं। 38 साल के बीमार और तरह-तरह के बीमारों को शिफ़ा दी। पानी पर चल कर दिखाया। बेगुनाह रहा। कुँवारी मर्यम से पैदा हुआ। मुहब्बत की तालीम का बेहतरीन दर्जा सिखाया। बारह साल की उम्र में भी बड़े-बड़े आलिमों के मुँह बंद कर दिए। उस की मौत के वक़्त दोपहर के वक़्त सूरज की रोशनी जाती रही और तमाम दुनिया में अंधेरा छा गया। ज़मीन काँप उठी। चट्टानें तड़क गईं। मुर्दे यानी बहुत से मुक़द्दस लोग क़ब्रों में से बाहर को निकल पड़े।

वाकई ही उलूहियत की सारी मामूरी खुदावंद येसू मसीह में मुजस्सम हो कर सुकूनत करती है। सुनने वालो! एक बड़ा भेद, होशाना। मुबारक है मसीह जो खुदावंद के नाम से आता है। (यूहन्ना 12:13) आलम-ए-बाला पर खुदा की तम्जीद हो। (लूका 2:14)

“जिन्हों ने येसू का ये काम देखा था। उस पर ईमान ले आए।” (यूहन्ना 11:45)



## खुदा की बादशाहत और बहिश्त में दाखिल होने की दावत तमाम दुनिया को

“मेरी तरफ़ रुजू लाओ। ताकि नजात पाओ। ऐ ज़मीन के सब रहने वालो। कि मैं खुदावंद हूँ। और मेरे सिवा कोई नहीं।” (यसअयाह 45:22)

“ऐ मेहनत उठाने वालो और बोझ से (गुनाह के बोझ से) दबे हुए लोगो सब मेरे पास आओ। मैं तुम्हें आराम दूंगा।” (मती 11:28)

अज़ीज़ो! “पर वो हमारे गुनाहों के सबब घायल किया गया। और हमारी बदकारी के बाइस कुचला गया। हमारी ही सलामती के लिए उस पर सियासत हुई। ताकि उस के मार खाने से हम चंगे हों” (यसअयाह 53:5)

क्या आप खुदावंद येसू मसीह को आज ही अपना नजातदिहंदा दिल से मानते हैं? क्या आप अपनी नफ़सानी और जिस्मानी ख्वाहिशों को छोड़ने के लिए तैयार हैं? खुदावंद येसू मसीह गुनेहगारों को बचाने के लिए इस दुनिया में आया। और पौलूस रसूल अपने गुनाहों का इकरार करते हुए यूँ कहता है “जिसमें सबसे बड़ा मैं हूँ।” (1 तीमुथियुस 1:15)

अगर आप गुनाहों की वजह से मुर्दा हैं तो खुदावंद येसू मसीह पर दिल से ईमान लाने से आप ज़िंदा हो सकते हैं। लाज़र को कब्र में पड़े हुए चार दिन हो गए। लाज़र की बहन मार्था ग़मी की हालत में खुदावंद येसू मसीह के पास आई। खुदावंद येसू मसीह ने उनसे कहा क्या तू ईमान रखती है? मार्था ने येसू से कहा हाँ खुदावंद मैं ईमान ला चुकी हूँ कि खुदा का बेटा जो दुनिया में आने को था। वो तू ही है।” (यूहन्ना 11:27) इस ईमान से क्या हुआ?

“और ये कह कर उसने (येसू ने) बुलंद आवाज़ से पुकार के कहा ऐ लाज़र निकल आ। जो मर गया था वो कफ़न से हाथ पांव बंधे हुए निकल आया। और उस का चेहरा रूमाल से लिपटा हुआ था। येसू ने उन से कहा। उसे खोल कर जाने दो।” (यूहन्ना 11:43 ता 44)

अगर आप गुनाह की हालत में मुर्दा हैं। तो अज़ीज़ो खुदावंद येसू पर ईमान ले आओ। ईमान ही की वजह से मुर्दे को कहा गया, ऐ लाज़र निकल आ। इसलिए वो कहता है। “ऐ सोने वाले जाग और मुर्दों में से जी उठ तो मसीह का नूर तुझ पर चमकेगा।” “इफिसियों 5 14)

आपका सिर्फ इतना काम है। कि आप अपने गुनाहों से पशेमान (शर्मिंदा) हो कर खुदावंद येसू पर ईमान ले आएं। क्योंकि लिखा है, कि “अगर तू अपनी ज़बान से येसू के



खुदावंद होने का इकरार करे और अपने दिल से ईमान लाए तो नजात पाएगा।” (रोमियों 10:9)

अज़ीज़ो शैतान आपके दिल में यूं ना कहे। फिर देखा जाएगा। आप दुनिया के रिश्तेदारों, भाई, बहन, माँ, बाप और दोस्त किसी का खयाल ना रखें। दुनिया की रिश्तेदारी, और दुनिया की मुहब्बत इस फ़ानी दुनिया से कूच करने के बाद मिट्टी में मिल जाएगी बड़े-बड़े मकान ज़लज़लों से तबाह हो चुके हैं। आग और गंधक ने बड़े-बड़े महलों को खाक का ढेर कर दिया है। हज़ारों और लाखों हर रोज़ मरते चले जाते हैं आप अपनी दौलत और जायदाद पर फ़ख़्र ना करें। खुदावंद येसू मसीह ने एक तम्सील में यूं कहा, कि “एक दौलतमंद की बड़ी फ़स्ल हुई और वो कहने लगा। कि मैं अपनी कोठियाँ बड़ी बनाऊंगा। और अपनी जान से कहूंगा। ऐ जान खा पी और चैन कर।

खुदा ने उस से कहा, ऐ नादान इसी रात तेरी जान तुझसे तलब करली जाएगी। पस जो तूने तैयार किया है। किस का होगा?” (लूका 12:16 ता 20)

इन्सान की ज़िंदगी इस जिस्म में पानी के बुलबुले की तरह है।

प्यारे दुनिया के हम-सफर लोगो। अदालत का वक़्त करीब आ गया है। आग के अज़ाब से बच जाओ।

इस दुनिया की चीज़ें खुदावंद येसू मसीह की दूसरी आमद के वक़्त तबाह व बर्बाद कर दी जाएँगी।

“बुतलान के बुतलान वाइज़ कहता है। बुतलान के बुतलान सब कुछ बातिल है।” (वाइज़ 1:2 अम्बिया के सहीफ़े)

इसलिए दुनिया के हमसफर अज़ीज़ो फिर पछताए क्या। जब चिड़ियां चुग गईं खेत। इस दुनिया को छोड़ने से पहले फ़ैसला करना है। “क्योंकि एक बार मरना और उस के बाद अदालत का होना मुकर्रर है।” (इब्रानियों 9:27)

एक अमीर ने कलाम सुनकर रद्द कर दिया और कहने लगा, फिर देखा जाएगा। और इसके बाद फ़ौरन गाड़ी के नीचे आकर हलाक हो गया।

“देखो आज क़बूलियत का वक़्त है। ये नजात का दिन है।” (2 कुरिन्थियों 6:2)

अगर आप दिल से ईमान लाएं तो लिखा है :-

**“आज ही तू मेरे साथ फ़िर्दोस (बहिश्त) में होगा।”**

